दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

ईशा की ईश्का ....

खुद की प्रीमियम ....

वर्ष : 12 | अंक : 64 | लखनऊ, 25 फरवरी, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

महाराष्ट्र भाजपा में कृष्णराज 'युवा अध्यक्ष'

मुंबई। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई ने मंगलवार को नए पदाधिकारियों की सूची जारी की।

इसमें कृष्णराज महाडिक को भाजपा युवा मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त कर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने इन नियुक्तियों की घोषणा की। मुख्य प्रवक्ता, महासचिव, सचिव, उपाध्यक्ष का ऐलान किया है।

भुवनेश्वर में आग से कई दुकानें खाक

भुवनेश्वर। ओडिशा के भुवनेश्वर के धौली इलाके में को एक बाजार

परिसर में आग लगी। इसमें कई दुकानें जलकर खाक हो गईं। अधितारियों ने बताया कि सोमवार रात करीब 11 बजे लगी आग के कारण किसी के घायल होने या मौत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। परिसर में प्लाईवुड और प्लास्टिक सहित ज्वलनशील पदार्थ का भंडार था।

गोली मारी और चाकू से काटा गला, सरेराह हत्या

ग्रेटर नोएडा। यहां के गांव लुक्सर में मंगलवार को रंजिश के चलते

एक युवक की बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है। मृतक युवक की पहचान नितिन निवासी गांव लुक्सर के रूप में हुई है। गंभीर हालत में उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ईकोटेक-1 कोतवाली पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

ऑर्केस्ट्रा की आड़ में डांस बार, लाइसेंस रद्द होंगे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को अवैध

डांस बार चलाने के लिए ऑर्केस्ट्रा बार लाइसेंस के दुरुपयोग के खिलाफ सख्ती बरतने की बात कही। सीएम फडणवीस ने कहा कि सरकार ऐसे बारों के लाइसेंस को स्थायी रूप से रद्द करने का प्रावधान प्रस्तावित करेगी, जो कार्रवाई के बावजूद संचालन जारी रखते हैं और नियमों का उल्लंघन करते हैं।

कांतारा विवाद पर रणवीर को लगी फटकार

मुंबई। रणवीर सिंह का महीनों पुराना विवाद खत्म होने का नाम

नहीं ले रहा है। नवंबर 2025 में सिंह ने गोवा में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में हंसी मजाक में कुछ ऐसा कर दिया जो उन्हें भारी पड़ गया। एक्टर ने स्टेज पर ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर-1' में दैवी को महिला भूत बताते हुए फिल्म के आइकॉनिक सीन की मिमिक्री की थी। इसी पर अदालत ने फटकार लगाई है।

केंद्रीय कैबिनेट: रेलवे की कई तीसरी और चौथी लाइनों का भी किया जाएगा विस्तार

12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स से रेलवे यातायात होगा सुगम, किसानों की भी होगी बल्ले-बल्ले

श्रीनगर और अहमदाबाद भी होंगे मालामाल

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नए पीएम कार्यालय सेवा तीर्थ में हुई पहली कैबिनेट बैठक में हुए फैसलों की जानकारी दी। बुनियादी ढांचे को मजबूती देने और कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, केंद्रीय कैबिनेट ने कुल 12,236 करोड़ के विभिन्न विकास प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है।

इस बड़े निवेश का मुख्य हिस्सा रेलवे और शहरी परिवहन के विस्तार पर केंद्रित है,रेलवे नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए पुनरख-किऊल की तीसरी और चौथी लाइन के लिए 2,668 करोड़ तथा गम्हरिया-चांडिल की तीसरी व चौथी लाइन के लिए 1,168 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। विमानन और शहरी यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से श्रीनगर में 1,667 करोड़ की लागत से एक नए इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट टर्मिनल के निर्माण और अहमदाबाद मेट्रो के फेज 28 के विस्तार (1,067 करोड़) को भी कैबिनेट की हरी झंडी मिल गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई कार्य संस्कृति और महत्वाकांक्षी फैसलों के साथ 140 करोड़ लोगों के हित को सर्वोपरि रखते हुए महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए हैं।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कैबिनेट बैठक में फैसलों की जानकारी दी

2026-27 सीजन के लिए कच्चे जूट का न्यूनतम समर्थन

पीएम मोदी की अध्यक्षता में गठित आर्थिक कार्य मंत्रिमंडलीय समिति ने मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है। 2026-27 सीजन के लिए कच्चे जूट (टीडी-3 ग्रेड) का एमएसपी 5,925रु,पए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इससे जूट के अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर 61.8 प्रतिशत का लाभ सुनिश्चित होगा। मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट का यह घोषित एमएसपी बजट 2018-19 में सरकार के घोषित अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना एमएसपी निर्धारित करने के सिद्धांत के अनुरूप है। मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट का एमएसपी पिछले मार्केटिंग सीजन2025-26 की तुलना में 275 रुपए प्रति क्विंटल अधिक है।

चार राज्यों में तीन मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी

आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने मंगलवार को चार राज्यों में तीन मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं पर कुल 9,072 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। चार राज्यों में तीन मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को दी गई मंजूरी इन परियोजनाओं में गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, पुनारख-किउल तीसरी और चौथी लाइन तथा गम्हरिया-चांडिल तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं।

लाइन क्षमता बढ़ने से आवाजाही में होगा सुधार

लाइन क्षमता बढ़ने से आवाजाही में सुधार होगा और भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता तथा सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं संचालन को सुगम बनाएंगी और भीड़भाड़ कम करेंगी।

ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत

ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं, जिनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों से परामर्श के माध्यम से मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये लोगों, सामान और सेवाओं के

कैबिनेट की बैठक के अहम फैसले

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 140 करोड़ लोगों के हित में सभी निर्णय लेने का संकल्प लेते हुए प्रस्ताव पारित किया
- वैष्णव के अनुसार, नए पीएमओ भवन में आयोजित मंत्रिमंडल की पहली बैठक में 140 करोड़ लोगों के हित में सभी निर्णय लेने का प्रस्ताव पारित किया गया।
- मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, बिहार और झारखंड के 8 जिलों में तीन रेल 'मल्टी-ट्रैकिंग' परियोजनाओं को मंजूरी दी

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1,677 करोड़ के सिविल एन्क्लेव विकास होंगे

केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने मंगलवार को श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रस्तावित 1,677 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से सिविल एन्क्लेव के विकास को मंजूरी दे दी है। यह कश्मीर घाटी में एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।आपको बता दें, परियोजना के दायरे में सुरक्षा कर्मियों के लिए बैरकों का निर्माण भी शामिल है। वायु सेना के बडगाम एयरबेस के तहत यह हवाई अड्डा श्रीनगर शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर विवाद

ओडिशा- झारखंड के अफसर की तैनाती करें, ईसी देगा खर्च

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश दिया है। अदालत ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखना सबसे जरूरी है। समय कम है और काम बहुत बड़ा है। ऐसे में न्यायिक अधिकारियों की संख्या बढ़ाना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को अतिरिक्त सिविल जज तैनात करने की अनुमति दे दी है।

■ सुप्रीम कोर्ट का हाईकोर्ट को आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तीन साल से अधिक अनुभव वाले सिविल जज, चाहे वे सीनियर डिवीजन के हों या जूनियर डिवीजन के, एसआईआर प्रक्रिया में लगा सकते हैं। यदि इसके बाद भी मानव संसाधन की कमी हो तो झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट से सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों की मदद ली जा सकती है। अदालत ने दोनों राज्यों के मुख्य न्यायाधीशों से ऐसे अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने को कहा है।

294 जिला और अतिरिक्त जिला जज लगाए गए

बताया गया कि अब तक 294 जिला और अतिरिक्त जिला जज एसआईआर के अंतिम चरण में तैनात किए गए हैं। इसके बावजूद यह संख्या पर्याप्त नहीं मानी गई। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि यदि एक जज रोज 250 मामलों की सुनवाई करे तो भी पूरी प्रक्रिया को पूरा करने में लगभग 80 दिन लग सकते हैं। जबकि अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित होनी है। इसलिए समय की भारी कमी है।

संवेदनशील क्षेत्रों की जल्द पहचान करें

बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने बंगाल पुलिस-प्रशासन को संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि अगर संभव हो तो मार्च के दूसरे सप्ताह तक संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान पूरी कर लें। चुनाव आयोग संवेदनशील क्षेत्रों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती के लिए प्रारंभिक योजना बनाएगा। चुनाव आयोग ने मतदान तारीखों के एलान और आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले ही राज्य में सीएपीएफ की तैनाती का फैसला किया है। 10 मार्च तक राज्य में सीएपीएफ की कुल 480 कंपनियां तैनात की जाएंगी, जिनमें से 240 कंपनियां 1 मार्च को और बाकी 240 कंपनियां 10 मार्च को तैनात की जाएंगी।

देश- दुनिया के लोग आएंगे, प्रशासन ने की तैयारी

यहां होली का रंगारंग त्योहार 12 मार्च तक चलेगा

ब्रज में शुरू हो गया फगुआ, जमकर उड़े अबीर-गुलाल, 40 दिन चलेगा पर्व

अमन लेखनी समाचार/ मथुरा,

मंगलवार से पूरी दुनिया में मशहूर ब्रज होली का त्योहार मथुरा में शुरू हो गया है, जिला प्रशासन के जारी ऑफिशियल शेड्यूल के मुताबिक ब्रज में होली का त्योहार 24 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च तक चलेगा, जिसे देखने के लिए दुनिया के कोने-कोने से लोग यहां पर आते हैं।

प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि इस बार भी भारी संख्या में देश-विदेश से आए भक्त और टूरिस्ट बरसाना लट्ठमार होली, नंदगांव होली, गोकुल में छड़ी मार होली और बलदेव में बड़े हुरंगा त्योहार जैसे पारंपरिक त्योहारों के गवाह बनेंगे। ब्रज में होली का उत्सव लगभग 40 दिनों तक मनाया जाता है। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के इंतजामों को मजबूत किया है। व्यवस्थाओं की लगातार समीक्षा की जा रही है।

यह बना विस्तृत कार्यक्रम

- 24 फरवरी: फाग निमंत्रण और लड्डू होली
- 25 फरवरी: बरसाना लट्ठमार होली
- 26 फरवरी: नंदगांव लट्ठमार होली
- 27 फरवरी: मंदिर होली (मथुरा और वृंदावन)
- 1 मार्च: द्वारकाधीश मंदिर होली और छड़ी मार होली
- 3 मार्च: चतुर्वेदी समाज डोला
- 5 मार्च: दाऊजी मंदिर हुरंगा और चरकुला
- 6 मार्च: बठैन और गिढोह में हुरंगा
- 9 मार्च: महावन में छड़ी मार होली
- 12 मार्च: रंगजी मंदिर होली उत्सव

मॉल से लौट रही थी वह

एम्स गोरखपुर में की डॉक्टर से अभद्रता, 2 लोग गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार/ गोरखपुर

यहां के एम्स में काम करने वाली नगालैंड की 25 साल की रेजिडेंट डॉक्टर के साथ छेड़खानी और गाली-गलौज करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार शाम को हुई। आरोपियों ने मॉल से लौट रही पीड़िता का पीछा किया, जहां वो खरीदारी के लिए गई थी। उन्होंने एम्स के एंट्रेंस के पास उसे गलत तरीके से छूने से पहले कथित तौर पर रास्ते भर छींटाकशी की।

मेघालय सीएम ने की घटना की निंदा

गोरखपुर एसपी अभिनव त्यागी ने कार्रवाई के संबंध में कहा कि इस मामले में तीन लोगों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है। मंगलवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। इधर, इस घटना को गंभीरता से लेते हुए, मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने एक्स पर एक पोस्ट लिखा।

लकड़ी की ट्राम दौड़ी

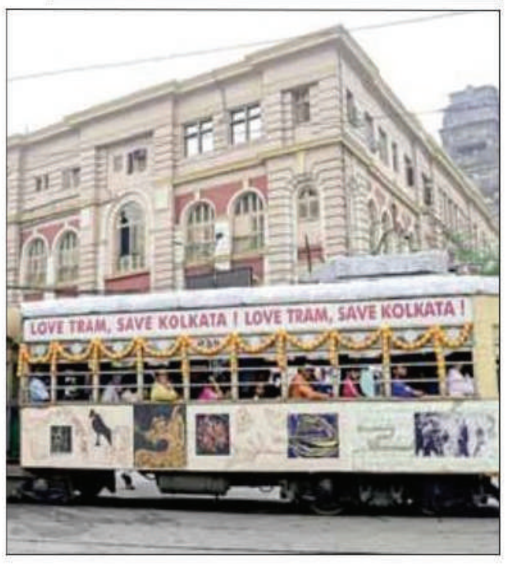

कोलकाता। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान निर्मित लकड़ी की ट्राम संख्या 498 'गीतांजलि' की विशेष विरासत यात्रा को कोलकाता में मंगलवार को कलकत्ता ट्राम सेवा की 153वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

चुनावों में नोटा का विकल्प लाने से नेताओं में सुधार पर संदेह

पढ़े-लिखे और अमीर कम तो कमजोर तबका कर रहा ज्यादा वोट

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर संदेह जताया है कि चुनावों में नन ऑफ द एबव यानी नोटा का विकल्प लाने से देश में चुने हुए नेताओं में कोई सुधार हुआ है या नहीं।

सभी चुनावों में नोटा ऑप्शन को जरूरी बनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि भारत में पढ़े-लिखे और अमीर लोगों में वोटिंग में हिस्सा लेना, आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों के मुकाबले बहुत कम है। याचिका में उन सीटों को भी शामिल किया गया है जहां सिर्फ एक ही उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है।

नेताओं की क्वालिटी में आया सुधार?

सिस्टम जरूरी हो लेकिन सख्त नहीं होना चाहिए

जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि क्या नोटा से चुने हुए नेताओं की क्वालिटी बेहतर हुई है? क्योंकि इससे हमें पता चलता है कि पढ़े-लिखे, अमीर लोग कम वोट करते हैं और आर्थिक रूप से कमजोर लोग ज्यादा वोट करते हैं। सीजेआई ने कहा कि कभी-कभी हमें लगता है कि हमें कोई ऐसा सिस्टम बनाना चाहिए जो जरूरी हो,

हल्द्वानी बनभूलपुरा केस में अहम फैसला

रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटेगा

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी बनभूलपुरा रेलवे जमीन अतिक्रमण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपना अहम फैसला दे दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण को लेकर फैसला देते हुए कहा है कि रेलवे की करीब 29 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जे को हटाया जाएकोर्ट ने साफ कह दिया है कि 19 मार्च के बाद सर्वे शुरू किया जाए, जिसमें देखा जाए कि करीब 4500 से ज्यादा घरों में से किसके पास पीएम आवास योजना के तहत घर पाने की एलिजिबिलिटी है या नहीं।

केरल हाईकोर्ट के फैसले पर रोक, नोटिस जारी

सुप्रीम कोर्ट नेकेरल की एलडीएफ सरकार को राहत देते हुए, हाई कोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें 'नव केरल सिटीजन रिस्पॉन्स प्रोग्राम' के लिए 20 करोड़ देने के आदेश को रद्द कर दिया गया था। नवा केरल सिटिजन रिस्पॉन्स प्रोग्राम के तहत सरकार की योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा और लोगों से योजनाओं को लेकर फीडबैक भी लिया जाएगा।

इस आधार पर रोका हाईकोर्ट का आदेश

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य की स्पेशल लीव याचिका पर अंतरिम आदेश जारी किया। पीठ ने हाईकोर्ट में सरकार की योजना के खिलाफ याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ताओं को भी नोटिस जारी किया है।

एयर एंबुलेंस हादसा

जान बचाने के फेर में गई 7 की जान, उधार लिए थे 7.5 लाख

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रांची से दिल्ली के लिए रवाना की गई एक एयर एम्बुलेंस के दुर्घटनाग्रस्त होने से 7 लोगों की मौत हो गई। यह विमान एक गंभीर रूप से झुलसे झारखंड के होटल व्यवसायी को इलाज के लिए राष्ट्रीय राजधानी ले जा रहा था।

परिवार ने इस उड़ान और दिल्ली के एक बड़े निजी अस्पताल में इलाज के खर्च के लिए लाखों रुपए उधार लिए थे, लेकिन जीवन बचाने की यह कोशिश दर्दनाक हादसे में बदल गई। मृतकों में संजय कुमार शॉ, उनकी पत्नी अर्चना , रिश्तेदार ध्रुव कुमार, डॉ. विकास कुमार गुप्ता, नर्स सचिन कुमार मिश्रा और पायलट कैप्टन विवेक विकास भगत तथा कैप्टन सवराजदीप सिंह शामिल हैं।

उड़ान भरने के कुछ देर बाद टूटा संपर्क

बीचक्राफ्ट सी90 एयर एम्बुलेंस, जिसे रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड संचालित कर रही थी, ने शाम 7 बजकर 11 मिनट पर रांची से उड़ान भरी। लगभग 20 मिनट बाद विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूट गया। इसके बाद विमान चतरा जिले के एक वन क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

सिंगापुर के साथ यूपी की बड़ी रणनीतिक साझेदारी

इन्वेस्ट यूपी व एससीई के बीच एमओयू, सिंगापुर कोऑपरेशन एंटरप्राइज के साथ हुआ करार

अमन लेखनी समाचार

सिंगापुर/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी और सिंगापुर सरकार के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था सिंगापुर कोऑपरेशन एंटरप्राइज (एससीई) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता उत्तर प्रदेश में संस्थागत क्षमता व नीतिगत ढांचे को सुदृढ़ बनाने और इकोसिस्टम के विकास के लिए दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है। सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने एविएशन सर्विस सेक्टर की अग्रणी कंपनी एआई सैट्स (एआई सैट्स) के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत कंपनी गौतमबुद्ध नगर स्थित जेवर में नोएडा इंटरनेशनल

- **जेवर एयरपोर्ट पर दो प्रोजेक्ट्स में 4458 करोड़ रुपये निवेश करेगी एआई सैट्स**

एयरपोर्ट पर दो प्रमुख परियोजनाएं स्थापित करेगी। एक अत्याधुनिक कार्गो कैंपस और दूसरा विश्वस्तरीय एयर कैटरिंग किचेन। इन दोनों प्रोजेक्ट्स पर एआई सैट्स 4458 करोड़ रुपये निवेश करेगी।

एससीई के साथ हुए एमओयू के तहत दोनों पक्ष विषयगत ज्ञान के आदान-प्रदान, तकनीकी सहयोग और परामर्श सेवाओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश में सतत आर्थिक विकास, औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और आधुनिक अवसंरचना के विकास को गति देने के लिए मिलकर कार्य करेंगे। समझौते के अनुसार, दोनों पक्ष न सिर्फ स्टडी विजिट्स व लीडरशिप डेलिगेशन का आयोजन करेंगे, बल्कि ट्रेनिंग व कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रमों का खाका तैयार कर उसे लागू भी कराएंगे। इससे लोगों की कार्यक्षमता व कौशल, दोनों को बेहतर किया जा सकेगा। इसके अलावा सलाह व मार्गदर्शन उपलब्ध कराना, साथ मिलकर तकनीकी सहयोग की परियोजनाएं तैयार करना और उन्हें लागू करना, सरकारी व निजी क्षेत्र से जुड़े संबंधित लोगों व संस्थाओं का सहयोग हासिल करना भी एमओयू के प्रावधानों में शामिल है। आवश्यकता पड़ने पर विशिष्ट परियोजनाओं के लिए अलग से लिखित समझौते किए जाएंगे, जिनमें कार्यक्षेत्र, समयसीमा और वित्तीय प्रावधान स्पष्ट किए जाएंगे। दो माह के भीतर विस्तृत परियोजना समझौतों पर बातचीत शुरू की जाएगी और छह माह के भीतर उन्हें अंतिम रूप देने का प्रयास किया जाएगा। इस साझेदारी से उत्तर प्रदेश को सिंगापुर के प्रशासनिक अनुभव, शहरी नियोजन, औद्योगिक क्लस्टर विकास, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में अनुभव का लाभ मिलेगा। इस समझौते को उत्तर प्रदेश की वैश्विक सहभागिता और लॉन्ग टर्म विजन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। प्रदेश सरकार ने एविएशन सर्विस सेक्टर की अग्रणी कंपनी एआई सैट्स (एआई सैट्स) के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत कंपनी गौतमबुद्ध नगर स्थित जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो प्रमुख परियोजनाएं स्थापित करेगी। एक अत्याधुनिक कार्गो कैंपस और दूसरा विश्वस्तरीय एयर कैटरिंग किचेन। इन दोनों प्रोजेक्ट्स पर एआई सैट्स 4458 करोड़ रुपये निवेश करेगी। एमओयू के अनुसार, एआई सैट्स जेवर एयरपोर्ट परिसर में एक अत्याधुनिक कार्गो कैंपस का निर्माण करेगी। यह कार्गो कैंपस न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए एयर फ्रेट और लॉजिस्टिक्स का प्रमुख केंद्र बनेगा। इस परियोजना से निर्यात-आयात गतिविधियों को गति मिलेगी, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, कृषि उत्पाद जैसे क्षेत्रों को बड़ा लाभ होगा। जेवर एयरपोर्ट को मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के साथ विकसित किया जा रहा है, जिससे यह कार्गो कैंपस अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक रणनीतिक हब के रूप में उभरेगा। एमओयू के दूसरे प्रमुख निवेश के तहत नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ही एक अत्याधुनिक विश्वस्तरीय एयर कैटरिंग किचेन की स्थापना की जाएगी। यह किचेन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से संचालित होने वाली उड़ानों के लिए उच्च गुणवत्ता वाला भोजन उपलब्ध कराएगा। विशेष बात यह है कि यहां तैयार किया गया भोजन केवल जेवर एयरपोर्ट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी सप्लाई पूरे उत्तर भारत के विभिन्न एयरपोर्ट्स पर भी की जाएगी। इससे क्षेत्र में फूड प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन नेटवर्क को मजबूती मिलेगी तथा हजारों प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री के सिंगापुर दौरे का उद्देश्य वैश्विक निवेशकों को उत्तर प्रदेश की संभावनाओं से जोड़ना है। दूसरे दिन हुए इस एमओयू को राज्य के एविएशन, लॉजिस्टिक्स और सर्विस सेक्टर के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। जेवर एयरपोर्ट के चालू होने के साथ ही यह कार्गो कैंपस और एयर कैटरिंग सुविधा उत्तर भारत के आर्थिक परिदृश्य को नई दिशा देंगे और प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर और मजबूत स्थिति में स्थापित करेंगे।

सैट्स के सीईओ ने योगी सरकार की कार्यप्रणाली को खुलकर सराहा

अमन लेखनी समाचार

- **विदेशी निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं सीएम योगी आदित्यनाथ**

लखनऊ। इन्वेस्ट यूपी मेगा रोड शो में सिंगापुर की एयरपोर्ट ग्राउंड हैंडलिंग क्षेत्र की अग्रणी कंपनी सैट्स के सीईओ (एशिया-पैसिफिक) बॉब ची ने कहा कि सीएम योगी का सैट्स के कार्गो हब का दौरा करना उनकी विदेशी निवेश के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जाहिर करता है। हम उत्तर प्रदेश की विकास संभावनाओं को लेकर अत्यंत आशावादी हैं।

यूपी की प्रगति का आधार उसका तेजी से विस्तार करता कृषि, औद्योगिक और सेवा क्षेत्र है। बीते एक दशक में उत्तर प्रदेश का एयर कार्गो वॉल्यूम लगभग पांच गुना बढ़ा है, जो लगातार दो अंकों की सालाना वृद्धि दर को दशार्ता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि उत्तर प्रदेश भारत की आर्थिक शक्ति का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। बॉब ने कहा कि हमने देखा है कि उत्तर प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली अत्यंत प्रगतिशील है।

यह तत्परता से कार्रवाई करती है, जो उद्यमिता के लिए अनिवार्य शर्त है। यह समाधान-उन्मुख है और प्रो-एक्टिव दृष्टिकोण अपनाती है। राज्य सरकार विशेष रूप से नई तकनीकों, डिजिटलीकरण से जुड़े निवेशों तथा स्थानीय आबादी के लिए उच्च-कौशल वाले रोजगार अवसरों के सृजन को लेकर पूरी तरह सक्रिय है। हमने यूपी सरकार की सशक्त एवं उद्योगों के अनुकूल नीतियों का प्रत्यक्ष अनुभव किया है।

सरकार द्वारा हमें जो सहयोग और सकारात्मक समर्थन मिला है, उसके लिए हम आभारी हैं। यूपी में वैसा ही माहौल है, जिसे वैश्विक कंपनियां महत्व देती हैं और यही कार्यप्रणाली उत्तर प्रदेश में निवेश के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करती है।

जर्मनी में यूपी की दमदार दस्तक में रक्षा संबंधी निवेश को मिला समर्थन

उपमुख्यमंत्री व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने वैश्विक रक्षा कंपनियों से किया संवाद

अमन लेखनी समाचार

जर्मनी/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी मार्गदर्शन व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में जर्मनी पहुंचा प्रतिनिधिमंडल वहां के उद्यमियों से संवाद स्थापित कर रहा है।

इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व प्रदेश सरकार के इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जर्मन-इजराइल की अग्रणी कंपनी क्वाटंम सिस्टम जीएमबीएच के साथ बैठक की।

यह कंपनी मानवरहित और ड्रोन आधारित प्रौद्योगिकी की विशेषज्ञ है। यह कंपनी भारत में पिछले एक दशक से अधिक समय से उन्नत हवाई निगरानी तथा 160 किमी तक की परिचालन क्षमता वाले मानवरहित प्लेटफॉर्म में विशेषज्ञ है। इस कंपनी की टेक्नोलॉजी जर्मनी और स्पेन की सशस्त्र सेनाओं की सेवा में भी है। उपमुख्यमंत्री व आईटी मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भारत की तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था का मुख्य केंद्र है। राज्य प्रतिनिधिमंडल ने निवेश, रक्षा विनिर्माण, एयरोस्पेस सहयोग एवं औद्योगिक साझेदारी के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण और परिणामोन्मुख बैठकें कीं। न्यूरेम्बर्ग, जर्मनी में उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने नूर्नबर्गमेस्से ग्रुप के सीईओ पीटर ओटमैन से भेंट कर उत्तर प्रदेश में निवेश की नई संभावनाओं एवं औद्योगिक सहयोग पर विस्तृत चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश की प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों, निवेशक-अनुकूल वातावरण, विश्वस्तरीय अवसंरचना एवं कुशल मानव संसाधन की जानकारी देते हुए जर्मन उद्योग जगत को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

इसी क्रम में जर्मन-इजराइली अग्रणी कंपनी क्वांटम टेक्नोलॉजीज के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक आयोजित हुई। कंपनी मानव रहित एवं ड्रोन आधारित उन्नत तकनीकों, रक्षा-स्तरीय टोही प्रणाली तथा 160 किलोमीटर तक की परिचालन क्षमता वाले उच्च-ऊंचाई प्लेटफॉर्म विकसित करने में विशेषज्ञ है। कंपनी की तकनीक जर्मनी एवं स्पेन की सशस्त्र सेनाओं द्वारा उपयोग में लाई जा रही है तथा प्रिसिजन एग्रीकल्चर में भी सहायक है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कंपनी को राज्य में विनिर्माण एवं अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। बैठक में विनिर्माण, अनुसंधान, कौशल विकास एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग पर सहमति बनी, जिससे भारत के एयरोस्पेस एवं मानव रहित प्रणाली तंत्र को सशक्त किया जा सके। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश की सशक्त औद्योगिक पारिस्थितिकी, रक्षा विनिर्माण को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों तथा आकर्षक प्रोत्साहनों को रेखांकित करते हुए उत्तर प्रदेश को एयरोस्पेस एवं रक्षा निवेश के प्रमुख गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया।

न्यूरेम्बर्ग में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते एवं अन्य गणमान्यजनों के साथ आयोजित रात्रि भोज के दौरान उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास, निवेश वातावरण एवं उभरते आर्थिक अवसरों पर सार्थक चर्चा हुई। साथ ही जर्मनी में भारत के कांसल जनरल श्री शत्रुघ्न सिन्हा से भी आत्मीय मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग को और सुदृढ़ करने पर विचार-विमर्श किया गया। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री ने जर्मनी स्थित मदरसन सूमी प्लांट का भ्रमण कर उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विस्तार एवं निवेश संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। फ्रैंकफर्ट में आयोजित इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव में उन्होंने प्रदेश के अनुकूल आर्थिक परिदृश्य, मजबूत आधारभूत संरचना एवं विविध क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश अवसरों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। केल्स्टरबाख के मेयर मैनफ्रेड ओकेल, रौनहेम के मेयर डेविड रेंडेल और इनोवेशन राइनमेन के सीईओ स्टीफन विट्टेकिंड से भेंट कर द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न आयामों पर चर्चा हुई। चर्चा का मुख्य केंद्र फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट एवं नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच लॉजिस्टिक्स, डाटा सेंटर, नवाचार एवं औद्योगिक विकास के क्षेत्र में सहयोग स्थापित करना रहा।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मजबूत नीतिगत समर्थन एवं विश्वस्तरीय अवसंरचना के साथ उत्तर प्रदेश उन्नत विनिर्माण एवं रणनीतिक निवेश का अग्रणी केंद्र बनता जा रहा है। प्रदेश सरकार सुरक्षित, सक्षम एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

पीसीएस सुबोध मणि शर्मा ने मांगा वीआरएस

लखनऊ। पीसीएस सुबोध मणि शर्मा ने स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) मांगी है। इस समय सुबोध मणि शर्मा प्रतापगढ़ रानीगंज तहसील में उपजिलाधिकारी (न्यायिक) के पद पर तैनात हैं। उन्हें वर्ष 2024 में तहसीलदार से उपजिलाधिकारी के पद पर पदोन्नति मिली है। उन्होंने नियुक्ति विभाग में वीआरएस के लिए प्रार्थना पत्र भेजा है। उन्होंने इसमें स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने पत्र में कहा है कि अब वे नौकरी कर पाने की स्थिति में नहीं हैं, इसलिए उनके आवेदन पर विचार करते हुए वीआरएस दिया जाए। नियुक्ति विभाग उनके प्रार्थना पत्र पर विचार कर रहा है।

पराग का खोवा आज से बाजार में

लखनऊ। पराग के अधिकृत बूथों पर बुधवार की प्रातः से स्टीम पद्धति से तैयार पराग खोवा उपलब्ध रहेगा। इनमें एक किलो पैक की कीमत 450 रुपये तथा आधा किलो पैक की कीमत 225 रुपये होगी। पराग डेयरी लखनऊ ने विगत वर्ष की तरह होली के त्यौहार के अवसर पर पराग का खोवा बिक्री करने का निर्णय लिया है। होली पर पराग खोवा की मांग अत्यधिक रहती है जिसको देखते हुए पराग ने 15 टन बिक्री करने का लक्ष्य रखा है विगत वर्ष 8 टन बिक्री की थी। इसके अतिरिक्त होली के मुद्दे नजर देसी घी के रसगुल्ले गुलाब जामुन, मिल्क केक, कलाकंद आदि अन्य भी पराग बूथों पर उपलब्ध रहेगा। यह जानकारी महाप्रबंधक लखनऊ दुग्ध संघ की ओर से दी गई है।

आय सीमा बढ़ने से लाखों छात्रों को मिलेगा छात्रवृत्ति का लाभ

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने मंगलवार को अपने मंत्री आवास में विभागीय उपलब्धियों एवं वर्ष 2026-27 के सामान्य बजट के संबंध में विस्तृत प्रेस वार्ता की।

मंत्री कश्यप ने कहा कि वर्ष 2026-27 के सामान्य बजट में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को ऐतिहासिक बढ़ोतरी दी गई है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का बजट इस वर्ष 3402 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 9 प्रतिशत अधिक है, जबकि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का बजट बढ़ाकर 2140 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 से प्रदेश में एक भी पात्र छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहा है। यह प्रदेश के इतिहास में पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले छात्रवृत्ति वितरण 31 मार्च को वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन होता था लेकिन योगी सरकार ने व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए वर्ष 2025 में 25 सितंबर से ही छात्रवृत्ति वितरण प्रारंभ कर दिया। अब तक लगभग 20 लाख छात्र-छात्राओं को समयपूर्व छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री के निर्णय से छात्रवृत्ति के लिए अभिभावकों की आय सीमा 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये कर दी गई है, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिल सकेगा। पूर्वदशम छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति राशि 2250 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये किये जाने की भी घोषणा की गई है। वर्ष 2026-27 में लगभग 38 लाख विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ मिलने की संभावना है।

मंत्री कश्यप ने बताया कि पिछड़े वर्ग की गरीब बेटियों के लिए संचालित शादी अनुदान योजना के तहत वर्ष 2026-27 में 210 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। पूर्व में यह योजना केवल बीपीएल आय सीमा (ग्रामीण 46,000 और शहरी 56,000 रुपये) तक सीमित थी, जिसे बढ़ाकर अब ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 1 लाख रुपये वार्षिक आय तक कर दिया गया है। इससे अधिक पात्र परिवारों को योजना का लाभ मिल सकेगा।

जनप्रतिनिधियों व अफसरों के बीच संवाद के लिए संवाद सेतु का आगाज

अमन लेखनी समाचार

- **गाजियाबाद, हरदोई और कन्नौज से पायलट प्रॉजेक्ट की शुरूआत**
- **अब 10 मिनट में सुनिश्चित होगा जवाब, कमांड सेंटर करेगा मॉनिटरिंग**

लखनऊ। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच संवाद को अधिक सुगम, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में बुधवार से संवाद सेतु (जिला संपर्क एवं कमांड सेंटर) व्यवस्था लागू की जाएगी। यह व्यवस्था पायलट प्रॉजेक्ट के रूप में गाजियाबाद, हरदोई और कन्नौज जनपदों में शुरू होगी। इस संबंध में समयबद्ध तैयारियों को लेकर समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं, जिससे योजना सुचारु रूप से लागू हो सके।

इस नई व्यवस्था के अंतर्गत हर जनपद में जिला संपर्क एवं कमांड सेंटर स्थापित किया जाएगा। अगर किसी अधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधि की कॉल 10 मिनट के भीतर रिसीव या कॉल बैक नहीं की जाती है, तो जनप्रतिनिधि कमांड सेंटर को सूचित कर सकेंगे।

कमांड सेंटर संबंधित अधिकारी को तुरंत कॉल बैक के लिए निर्देशित करेगा और संवाद सुनिश्चित करेगा। यह व्यवस्था केवल कार्य दिवसों और कार्यालय समय में और सरकारी नंबरों पर लागू होगी। बेहतर संवाद और त्वरित प्रतिक्रिया देने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि लापरवाही की स्थिति में रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। गौरतलब है कि यह पहल विधानसभा में उठे मुद्दे के बाद अमल में लाई जा रही है। इस संबंध में राज्यमंत्री असीम अरुण ने सुझाव दिया था।

विधायिका को लेकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन आया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि पिछले चार वर्षों में प्रदेश की विधायिका को लेकर समाज में बनी नकारात्मक धारणा में उल्लेखनीय सकारात्मक परिवर्तन आया है। श्री महाना ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को अपनी सीमाओं में रहकर अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के सफलतापूर्वक संपन्न होने के उपरांत आयोजित प्रेस वार्ता में अध्यक्ष ने सत्र की उपलब्धियों और सदन के बदलते स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक समय था जब विधानसभा की कार्यवाही को लेकर आमजन के मन में शंका और निराशा का भाव था, किंतु आज वही सदन गंभीर, सार्थक और परिणाममुखी चर्चाओं का केंद्र बन

चुका है। अध्यक्ष ने कहा कि 18वीं विधानसभा ने लोकतांत्रिक मूल्यों को सहेजते हुए नवाचार, पारदर्शिता और आधुनिक तकनीक को अपनाकर कार्यसंस्कृति में व्यापक सुधार किया है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा अब केवल एक ऐतिहासिक भवन नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, अनुशासन और जन-आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त मंच बन चुकी है। इन सुधारात्मक प्रयासों के कारण प्रदेश की विधानसभा को देश की अग्रणी विधानसभाओं में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि बजट सत्र अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण, विचारोत्तेजक और परिणाममुखी रहा। वित्तीय वर्ष के बजट पर विस्तृत, गंभीर और सारगर्भित चर्चा की गई। विभिन्न विभागों की अनुदान मांगों पर क्रमबद्ध विचार-विमर्श हुआ तथा जनहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विधेयकों को सदन की स्वीकृति प्राप्त हुई।

प्रश्नकाल के माध्यम से शासन-प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित की गई, जबकि शून्यकाल में जनसरोकार के विविध विषय प्रभावी ढंग से उठाए गए। इससे स्पष्ट है कि सदन जनता की आवाज को सरकार तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। अध्यक्ष ने संतोष व्यक्त किया कि पूरे सत्र के दौरान पक्ष और विपक्ष दोनों ने संसदीय मयार्दाओं का सम्मान किया। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक अंग हैं, किंतु संवाद, संयम और शालीनता उसकी मूल आत्मा हैं।

इस सत्र में स्वस्थ बहस, तार्किक प्रतिपादन और सकारात्मक सहभागिता देखने को मिली, जो प्रदेश की संसदीय परंपराओं के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक है। विभिन्न दलों के सदस्यों द्वारा विधानसभा के बदलते स्वरूप की सराहना भी की गई। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए अध्यक्ष ने मीडिया प्रतिनिधियों का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा की सकारात्मक छवि को जन-जन तक पहुँचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अंत में उन्होंने सभी सदस्यों, संसदीय कार्य मंत्री, नेता प्रतिपक्ष तथा विभिन्न दलों के नेताओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सदन की गरिमा, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को सर्वोपरि रखते हुए भविष्य में भी स्वस्थ और सार्थक संवाद की परंपरा को और सुदृढ़ किया जाएगा।

पीआरए भवन दूर-दराज से आने वाले मरीजों के परिजनों के लिए अत्यंत उपयोगी : राज्यपाल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के अंतर्गत राम प्रकाश गुप्ता मेमोरियल मातृत्व शिशु चिकित्सालय परिसर में मरीजों के तीमारदारों के लिए पेशेंट रिलेटिव अकोमोडेशन (पीआरए)/रैन बसेरा भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। साथ ही संस्थान के रेडियोलॉजी डायग्नोस्टिक ब्लॉक में सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड एवं एक्स-रे सुविधाओं का लोकार्पण किया। लोकार्पण के बाद राज्यपाल ने आधुनिक रेडियोलॉजी सुविधाओं का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं की समुचित जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

राज्यपाल जी ने कहा कि पीआरए भवन दूर-दराज से आने वाले मरीजों के परिजनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन के उपयोग के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाएं, जिससे गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने स्वच्छता बनाये रखने पर विशेष बल देते हुए कहा कि कक्षों को उपयोग के बाद उसी स्वच्छ अवस्था में छोड़ा जाए, जैसा प्राप्त हुआ था।

राज्यपाल ने यह भी निर्देशित किया कि अस्पताल परिसर में बाहरी खाद्य पदार्थों के अनियंत्रित प्रवेश पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए तथा मरीजों के स्वास्थ्य हित में निर्धारित आहार व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, अनुशासन एवं नियमों के पालन से मरीज शीघ्र स्वस्थ होकर अपने घर लौट सकेंगे। राज्यपाल ने गर्भवती महिलाओं के समुचित मार्गदर्शन के लिए संस्थान में गर्भ संस्कार संबंधी एक समर्पित केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान मातृ आहार, व्यवहार, विचार एवं परिवेश का प्रभाव गर्भस्थ शिशु पर पड़ता है। अतः गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, सकारात्मक चिंतन एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में परामर्श एवं आवश्यक साहित्य उपलब्ध कराया जाना चाहिए। राज्यपाल ने सभी चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, अधिकारियों तथा उपस्थित माताओं एवं बच्चों को होली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रासायनिक रंगों के प्रयोग से त्वचा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

फार्मर रजिस्ट्री अभियान में तेजी, सीएससी संचालकों को दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री को लेकर कृषि विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। शासन की प्राथमिकता वाले इस कार्यक्रम को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए सहायक विकास अधिकारी मानवेंद्र सिंह कृषि ने क्षेत्र के विभिन्न सीएससी केंद्रों पर पहुंचकर संचालकों के साथ बैठक की। मलिहाबाद क्षेत्र के

फार्मर रजिस्ट्री के बारे में जानकारी देते एडीओ एजी

भतोइया, कसमंडी खुर्द, कसमंडी कला, कटौली, सेंधरवा और गौंदा मोअज्जम नगर समेत कई गांवों के सीएससी संचालक मौजूद रहे। मानवेंद्र सिंह ने निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। रजिस्ट्री न होने पर भविष्य में अनुदान, फसल बीमा और अन्य कृषि योजनाओं का लाभ लेने में दिक्कतें आ सकती हैं। ऐसे में प्रत्येक पात्र किसान का पंजीकरण आवश्यक है।

सहायक विकास अधिकारी ने संचालकों से अपने-अपने गांवों में विशेष शिविर लगाकर पंजीकरण अभियान को गति देने को कहा। साथ ही कृषि खंड तकनीकी प्रबंधक, तकनीकी सहायक, रोजगार सेवक, पंचायत सहायक और पंचायत सचिवों को गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बैठक के दौरान रजिस्ट्री की तकनीकी प्रक्रिया की जानकारी दी गई और संभावित समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। कृषि विभाग ने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कर्मचारियों और किसानों से सहयोग की अपील की है।

संक्षेप

घरेलू कलह के चलते महिला ने खुद को लगाई आग हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। स्थानीय थाना क्षेत्र के गांव ठकठैया नेवादा निवासिनी एक महिला ने गृह कलह से ऊब कर घर में आग लगा ली जिससे गम्भीर रूप से घायल हो गई जिसे परिजन अस्पताल ले गए जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गांव निवासी रजय पाल की लगभग अट्ठाइस वर्षीय पत्नी ममता ने घरेलू विवादों के चलते घर में रखे बंगले में मंगलवार को शरीर में आग लगा ली। आग जलती देख पति व अन्य परिजन बचाने दौड़े लेकिन जब तक बचाते महिला गम्भीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे सी एच सी ले गए जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

रहमानी मस्जिद में हो गई तरावीह मुकम्मल

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। मियागंज विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत आसीवन तरफ कादिरपुर स्थित रहमानी मस्जिद में तरावीह मुकम्मल हो गई। मदारपुर खम्भौली निवासी हाफिज मोहम्मद साहिल ने रमजान के छठवें दिन पूरा कुरआन सुनाया। इस अवसर पर मौजूद सभी रोजेदारों ने देश की सलामती, खुशहाली, तरक्की और अमन-चैन के लिए दुआएं मांगीं।

प्रतिदिन पांच सिपारे पढ़ाकर हाफिज साहिल ने छठवें दिन यह तरावीह पूरी की। कुरआन मुकम्मल होने के बाद गांववासियों ने हाफिज साहिल का माल्यार्पण कर उन्हें मुबारकबाद दी और शुभकामनाएं दीं।

हाफिज साहिल ने बताया कि रमजान की मुख्य इबादतों में नमाज और रोजा रखने के अलावा आसमानी किताब (कुरआन) की तिलावत का बेशुमार सवाब है। हर रोजेदार इसे अपनी जिम्मेदारी मानता है।

इस अवसर पर मस्जिद में हाफि ज मोहम्मद अब्बास साहब हैदराबाद, मौलाना रहीस, हाफि ज इरकाम आसीवन, हाफि ज नूर हसन सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। रहमानी मस्जिद कमेटी के समशेर अली, अब्दुर्रहमान चौधरी, मोहम्मद वासिफ कमाल (मन्नान), मोहम्मद काशिफ कमाल (शानू), शाहिद, मुबीन, नफीस, आसिफ, अयाज अली और जावेद समेत अन्य लोगों ने हाफिज मोहम्मद साहिल और उनके उस्ताद हाफिज मोहम्मद अब्बास को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया और मिठाई खिलाकर बधाई दी।

दोस्त ही निकला वृद्ध का हत्यारा पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में तीन दिन पहले मिले सिर कटे बुजुर्ग के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस हत्याकांड में मृतक के 68 वर्षीय शराबी दोस्त को मंगलवार शाम गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, मामूली कहासुनी के बाद नशे में धुत आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया और पहचान छिपाने के लिए शव के अंग अलग कर दिए। यह मामला पुरवा क्षेत्र के असेहरू गांव स्थित बद्री बाग के पास का है। यहां सड़क किनारे झाड़ियों से आ रही तेज दुर्गंध के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने झाड़ियों से एक बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव बरामद किया।शव की गर्दन और बायां हाथ धड़ से अलग था, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। बाद में मृतक की पहचान 68 वर्षीय शिवपाल के रूप में हुई, जो 7 फरवरी से लापता थे। उनकी बहू रेनू ने 20 फरवरी को गुमशुदगी दर्ज कराई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में कई टीमें गठित की गईं। डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। जांच के दौरान घटना स्थल से करीब 100 मीटर दूर झाड़ियों में मृतक का कंकाल बन चुका सिर, कपड़े और जूते बरामद हुए। आसपास अवैध कच्ची शराब के ठिकाने के भी संकेत मिले। पुलिस को घटनास्थल के पास से एक चाकू और कुल्हाड़ी भी मिली, जिससे हत्या किए जाने की आशंका मजबूत हुई।जांच के दौरान परिजनों ने उन लोगों पर शक जताया, जिनके साथ शिवपाल अक्सर कच्ची शराब पीते थे। सर्विलांस टीम ने कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की सूची तैयार की। तीसरे दिन पुलिस ने तुसरौर-कौआगढ़ी मार्ग से 70 वर्षीय लाखन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी में पुरवा एसएचओ अमर नाथ यादव की टीम की अहम भूमिका रही। पूछताछ में आरोपी लाखन सिंह ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि 7 फरवरी की शाम वह और शिवपाल साथ बैठकर कच्ची शराब पी रहे थे। नशे की हालत में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद उसने शिवपाल की हत्या कर दी। गुस्से में आकर उसने कुल्हाड़ी से शिवपाल पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पहचान छिपाने और साक्ष्य मिटाने के लिए आरोपी ने शव की गर्दन और हाथ अलग कर झाड़ियों में फेंक दिए। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और बसुला बरामद कर लिया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

टीबी व स्क्रीनिंग कैंप का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मियागंज विकास खंड क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मंगलवार को सुबह 10 बजे शाम चार बजे तक टीबी और कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 153 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 23 मरीज क्षय रोग (टीबी) के संदिग्ध पाए गए। इन संदिग्ध मरीजों को आगे की जांच और परामर्श के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मियागंज भेजा गया है।

यह जन जागरूकता कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मियागंज के प्रभारी अधीक्षक डॉ. अभिषेक कटियार के नेतृत्व में आयोजित हुआ। वरिष्ठ क्षय रोग पर्यवेक्षक राम प्रकाश यादव ने इसकी अध्यक्षता की। कैंप का उद्देश्य क्षेत्र में टीबी और कैंसर जैसी बीमारियों की समय पर पहचान और रोकथाम करना था।ब्लॉक क्षेत्र के तीन अलग-अलग ग्राम पंचायतों में स्क्रीनिंग की गई। ग्राम पंचायत तियर में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर प्रिया देवी ने 51 मरीजों की जांच की। वहीं, ग्राम पंचायत कुल्हा में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर प्रेम लता वर्मा ने 52 मरीजों की स्क्रीनिंग की। ग्राम पंचायत बीरमपुर में एएनएम सपना कटियार ने 50 मरीजों की जांच की।तीनों आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में हुई जांच के बाद कुल 23 मरीजों में क्षय रोग के लक्षण पाए गए। इन सभी का एक्स-रे कराया गया और उन्हें आगे के इलाज के लिए सीएचसी मियागंज रेफर किया गया है। इसके अतिरिक्त, अन्य मरीजों को सर्दी, जुकाम, बुखार और खांसी जैसी सामान्य बीमारियों के लिए निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं।

होलिका दहन 3 मार्च को चन्द्र ग्रहण 4 मार्च को धुरड्डी 5 मार्च को भाई दूज

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। आचार्य ऋषि कान्त मिश्र ने बताया फाल्गुन शुक्ल रंग भरी आमलकी एकादशी 27 फरवरी शुक्रवार को है।समय गोठने का शुभ मुहूर्तशनि पुख्या मृत योग 28 फरवरी शनिवार को मनायें 1 मार्च दिन रविवार को प्रदोष व्रत करें भारतीय संस्कृति सनातन धर्म का होलिका महोत्सव पर्व फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है इस वर्ष पूर्णिमा का मान 2 मार्च दिन सोमवार को चतुर्दशी तिथि 17/21 बजे समाप्त हो जाती है और पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ हो रही है जो कि व्रत पूर्णिमा भी है तथा भद्रा काल भी रहेगा अतः शास्त्रीय प्रामाणिक बचनों से स्पष्ट है कि भद्रा पुच्छ काल में होलिका दहन किया जाये जो कि 2 मार्च की रात 2/4 बजे से 4/4बजे के मध्य ही होलिका दहन का शुभ मुहूर्त जन कल्याण के लिए मानना चाहिए अगले दिन 3 मार्च को स्नान दान जप की पूर्णिमा रहेगी और चन्द्र ग्रहण भी पड़ेगा भारतीय समयानुसार दिन में 15/20 बजे से शुरू हो रहा है और/19/48 बजे मोक्ष होगा काशी में दृश्य का समय 6 बजे चन्द्र ग्रहण का सूतक काल ग्रहण पड़ने के 9 घंटे पहले से शुरू हो रहा है भारत में सभी मंदिरों में पट बंद कर दिए जाएंगे दर्शन पूजन सब कुछ बंद रहेगा। गर्भ वती महिलाएं गेरु और गाय के गोबर का लेपन पेट पर कर लें।बाल वृद्ध रोगी को छोड़कर बाकी सभी सनातनी धर्मावलंबी भक्त श्रद्धा और विश्वास के साथ पालन करें। रंगोत्सव होली मिलन का पर्व 4 मार्च को मनाया जायेगा।भाई दूज पर्व 5 मार्च को मनायें। ग्रहण का प्रभाव राशियों पर कैसा रहेगा।मेष वृष कर्क सिंह कन्या धनु मकर कुंभ राशि वालों को अशुभ फल देगा अतः शांति उपाय के लिए अपने अपने इष्ट देव का पूजन करें। मिथुन तुला वृश्चिक मीन राशि वालों को शुभ फल प्राप्त होता रहेगा मनोकामनाएं पूर्ण होगी रुकें काम सब होने लगेंगे ।

मालगाड़ी की चपेट से पिता पुत्री की दर्दनाक मौत

अमन लेखनी समाचार

विकास, मृतक वेदिका, मृतक

उन्नाव। गंगाघाट और मगरवारा रेलवे स्टेशन के बीच सहजनी क्रॉसिंग पर सोमवार देर रात एक मालगाड़ी ने कानपुर के कल्याणपुर निवासी विकास गुप्ता और उनकी 13 वर्षीय बेटी वेदिका को अपनी चपेट में ले लिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना डाउन लाइन पर हुई। रेलवे सूत्रों के अनुसार, देर रात गेटमैन ने ट्रैक पर शव पड़े होने की सूचना स्टेशन मास्टर को दी। तेज रफ्तार मालगाड़ी की चपेट में आने के कारण हादसा इतना गंभीर था कि दिल्ली से लखनऊ जा रही तेजस एक्सप्रेस को लगभग 33 मिनट तक रोका गया। सुरक्षा कारणों से अन्य ट्रेनों की गति भी अस्थायी रूप से धीमी कर दी गई, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ।स्थानीय पुलिस और जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर ट्रैक खाली कराया और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि हादसे या अन्य कारणों से ट्रैक पर होने की संभावना को भी नकारा नहीं गया है। मौत के सही कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।मृतक विकास गुप्ता की पत्नी डॉली कुछ समय से मायके में रह रही थीं। सोमवार को मायके में पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। पुलिस के मुताबिक, विवाद के बाद विकास अपनी बेटी वेदिका के साथ घर से निकले थे और तभी यह घटना हुई। खबर सुनते ही विकास की पत्नी डॉली थाने पहुंचीं और बेहोश हो गईं।मौके पर शवों की शिनाख्त में करीब चार घंटे की देरी को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार उसके साले यश गुप्ता के नाम पंजीकृत थी और चाबी मृतक की कमर में लगी थी, साथ ही कार में पर्स और मोबाइल भी मौजूद थे।इसके बावजूद पुलिस ने वैकल्पिक प्रयास नहीं किए। स्थानीय लोगों ने नेटवर्क न आने और एप न चलने का बहाना बताया।स्थानीय पुलिसकर्मियों ने कहा कि एप काम नहीं कर रहा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। शवों की शिनाख्त में देरी और प्रक्रिया संबंधी पहलुओं की भी समीक्षा की जाएगी। फिलहाल पुलिस आत्महत्या की आशंका समेत सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का फांसी के फंदे पर लटकता मिला शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नदौली गांव में मंगलवार सुबह 21 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। दही थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतक की पहचान अनुज (21) पुत्र राम प्यारे के रूप में हुई है। वह नदौली गांव का ही निवासी था और बाहर मजदूरी का काम करता था। बताया जा रहा है कि अनुज करीब एक महीने पहले ही अपने घर लौटा था। परिवार में उसकी पांच बहनें और एक छोटा भाई अरुण है। अनुज बहनों में सबसे छोटा और भाइयों में सबसे बड़ा था।परिजनों के अनुसार, सोमवार रात करीब 10 बजे अनुज के मोबाइल पर किसी का फोन आया था। फोन आने के बाद वह घर से निकल गया। हालांकि, उसका मोबाइल फोन घर पर ही छूट गया था, जिससे यह मामला और भी संदिग्ध हो गया है। अनुज रातभर घर नहीं लौटा।मंगलवार सुबह करीब सात बजे गांव के लोगों ने परिजनों को सूचना दी कि अनुज का शव फांसी पर लटका हुआ मिला है। परिवार में इस खबर से कोहराम मच गया। परिजनों का आरोप है कि अनुज की हत्या कर उसके शव को फांसी पर लटकाया गया है। उनका कहना है कि बिना मोबाइल लिए घर से निकलना और फिर सुबह इस हालत में मिलना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने पुलिस से गहन जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।दही थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। फिलहाल, पुलिस आत्महत्या और हत्या दोनों पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

लापता किशोर को पुलिस ने सकुशल किया बरामद

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। पुलिस ने तीन दिन से लापता एक नाबालिग बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। बच्चे की मां ने पड़ोसियों पर अपहरण का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था, लेकिन पुलिस जांच में मामला कुछ और ही निकला।

हसनापुर गांव निवासी पिंकी ने 21 फरवरी को बांगरमऊ कोतवाली में तहरीर दी थी। पिंकी ने अपने पड़ोसियों संजय, मनीष और रिशु पर मारपीट कर अपने बच्चे का अपहरण करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने इस शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लापता बच्चे को उसकी मां के परिचित जितेंद्र शुक्ला के कब्जे से बरामद किया। बच्चा जितेंद्र शुक्ला की महिला मित्र के घर, रुपऊ थाना माखी क्षेत्र से मिला।

जांच के दौरान यह सामने आया कि मां पिंकी द्वारा पड़ोसियों पर लगाया गया अपहरण का आरोप झूठा था। पुलिस को गुमराह करने और षड्यंत्र रचने के आरोप में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पाण्डेय ने इस पूरे मामले की गहनता से जांच की और मात्र 72 घंटे के भीतर सच्चाई सामने ला दी। पुलिस ने मंगलवार दोपहर 12 बजे बच्चे को सुरक्षित बरामद किया। इस कार्रवाई की नगर में सराहना की जा रही है।

राजमिस्त्री ने फांसी लगाकर की आत्म हत्या

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के लोक नगर मोहल्ले में मंगलवार को एक राजमिस्त्री ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 35 वर्षीय बच्चा उर्फ शिवलाल पुत्र स्वर्गीय रामेश्वर प्रजापति के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर कोतवाली सदर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों ने बताया कि शिवलाल पेशे से राजमिस्त्री था और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। वह अपने दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। लगभग 13 वर्ष पहले उसकी शादी सविता से हुई थी। दंपति के एक बेटा और एक बेटी हैं। जानकारी के अनुसार, करीब दो वर्ष पहले उसकी पत्नी सविता किसी अन्य व्यक्ति के साथ चली गई थी। इस घटना के बाद से परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। पत्नी के अलग रहने के कारण शिवलाल मानसिक रूप से परेशान था। परिजनों ने बताया कि इसी तनाव के कारण उसने यह कदम उठाया।

परिवार के सदस्यों के अनुसार, मंगलवार को शिवलाल अपने घर में फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली सदर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक के दो बच्चों में बेटी अपनी मां के साथ रहती है, जबकि बेटा दादा-दादी और अन्य परिजनों के साथ घर पर है। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमद् भागवत कथा के रसोत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। विकास खंड के अंतर्गत ग्राम जमालनगर में इन दिनों भक्ति और आध्यात्म की बयार बह रही है। गांव के पूर्व प्रधान सकटू द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ के आयोजन से संपूर्ण क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो गया है।कथा के दौरान सुप्रसिद्ध कथावाचक पूज्य पं० श्री गोपाल कृष्ण जी महाराज ने अपनी अमृतमयी वाणी से श्रीमद् भागवत कथा के महोत्सव पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भागवत कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के पाप कट जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। अतिथियों का स्वागत और सम्मानःइस धार्मिक अनुष्ठान में किसान नेता सर्वेश पाल मुख्य रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने व्यास पीठ का पूजन कर महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कथावाचक एवं मंच पर आसीन अन्य विद्वानों को अंग वस्त्र भेंट कर उनका भव्य सम्मान किया। श्रद्धालुओं का उत्साहःकथा पंडाल में जमालनगर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान गांव में चारों ओर उत्सव जैसा माहौल नजर आया।

एक बीघा गेँहू की फसल को गाँव के ही रहने वाले युवक ने किया जलमग्न

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। लगभग एक बीघा गेहूं की फसल को गांव के ही निवासी पप्पू पुत्र रंजीत द्वारा जलमग्न किया गया ।पूरा मामला आसीवन की ग्राम पंचायत पेसारी तहसील सफीपुर जनपद उन्नाव का है बताते चलें ग्राम पंचायत पेसारी में लगभग तैयार गेहूं की एक बीघा फसल को गांव के ही निवासी पप्पू पुत्र रंजीत द्वारा जलमग्न कर दिया गया। गांव के ही निवासी किसान के लगभग 0.2530 हेक्टेयर के खेत में रात करीब 11 से 12 बजे के बीच पेसारी गांव के निवासी पप्पू पुत्र रंजीत ने पानी भर दिया था। उसने किसान की गेहूं की फसल को पूरी तरह से जलमग्न कर दिया है, और पानी के निकलने का कोई रास्ता नहीं है। परिणामस्वरूप, किसान की आजीविका और परिवार का अस्तित्व खतरे में है। किसान के बात करने पर पप्पू पुत्र रंजीत के द्वारा साफ मना किया गया कहा गया है फसल का नुकसान वा मुआवजा नहीं दे पाएंगे तुमको जो कुछ करना हो करो जाकर पीड़ित किसान ने उक्त व्यक्ति के खिलाफ उपजिलाधिकारी सफीपुर को तहरीर देकर उचित कार्यवाही करके किसान को हुए नुकसान की भरपाई करना सुनिश्चित करने की मांग की है ।

दुखद हादसे के बीच पुलिस ने पेश की मानवता की मिसाल

मानवता

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत गौरी के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस दुखद घटना के बीच सफीपुर पुलिस का एक बेहद ईमानदार और मानवीय चेहरा सामने आया है, जिसकी पूरे जनपद में सराहना हो रही है। गौरी के पास सड़क दुर्घटना में बसंत (पुत्र मंगल) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सूचना मिलते ही दीवान अंजनी पाण्डेय और सुनील कुमार तत्काल मौके पर पहुँचे और घायल को एम्बुलेंस की मदद से सफीपुर CHC पहुँचाया। हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने घायल को जिला अस्पताल रेफर किया, जहाँ इलाज के दौरान बसंत ने दम तोड़ दिया। हादसे के समय मौके से पुलिस को बसंत के 20,000 नकद और उसका मोबाइल फोन बरामद हुआ था। सफीपुर पुलिस ने पूरी पारदर्शिता बरतते हुए यह अमानत मृतक के पिता को सुरक्षित सुपुर्द कर दी। जहाँ एक ओर परिवार इस अपूरणीय क्षति से दुखी है, वहीं संकट की इस घड़ी में पुलिस द्वारा दिखाई गई तत्परता और ईमानदारी की स्थानीय लोगों ने जमकर प्रशंसा की है। सफीपुर पुलिस ने साबित किया है कि खाकी केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि मानवता का भी प्रतीक है।

टीन शेड के नीचे बेल्ट के सहारे झूलता मिला मजदूर का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र बंथर स्थित एग्रीकाम फूड प्रोसेसिंग कंपनी में कार्यरत मजदूर का शव टिन शेड के नीचे बेल्ट के सहारे झूलता मिला है ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है ।

बिहार प्रांत के पश्चिम चंपारण जिले के पुरैनियस मैंनताडा निवासी 21 वर्षीय एजाज अहमद पुत्र शेख नन्हू औद्योगिक क्षेत्र बंथर स्थित एग्रीकाम फूड प्रोसेसिंग कंपनी में मजदूरी करता था ।कंपनी के परिसर में बने सर्वेंट कालोनी में रह रहा था । मंगलवार सुबह उसका शव कमरे के बाहर रखे टिन शेड में चमड़े की बेल्ट के सहारे झूलता पाया गया। शव को देख कंपनी में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने घटना की सूचना फैक्ट्री प्रबंधन को दी है। प्रबंधक मोहम्मद शान फारूकी की सूचना पर पहुंचे बदरका चौकी इंचार्ज अनिल त्रिपाठी ने शव को नीचे उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एस ओ बृजेश कुमार शुक्ल ने बताया कि परिजनों को फोन से सूचित किया गया है उनके आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी ।

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है। एआई लोगों को रोजगार देगा। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का लक्ष्य दिखाता है। हालांकि एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

एआई लोगों की मदद करेगा, रहना होगा अलर्ट

विश्लेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं। जैसे नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। इसलिए हमें एआई को लेकर अलर्ट भी रहना होगा।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में जो कुछ हुआ, उसने साफ कर दिया कि यह केवल एक ग्लोबल इवेंट नहीं, बल्कि भारत की टेक्नोलॉजी सॉवरेनिटी का वैश्विक शंखनाद था, जिसकी गूंज पेरिस से लेकर न्यूयॉर्क तक सुनाई दी। इसमें शामिल दुनिया के दिग्गज नेताओं से लेकर टेक्नोलॉजी पर राज करने वाली कंपनियों के सीईओ तक ने जो बातें कहीं, वह भारत की चमक बयां करती हैं। इतना ही नहीं, भारत इस समिट के जरिए दुनिया को यह संदेश दिया है कि एआई का विकास सिर्फ ताकतवर देशों का खेल नहीं होना चाहिए, बल्कि यह ऐसा क्षेत्र बने जहां ग्लोबल साउथ की आवाज, जरूरतें और चुनौतियां भी केंद्र में हों। अब तक एआई पर वैश्विक बहस ज्यादातर अमेरिका, यूरोप और चीन के इर्द-गिर्द घूमती रही है, लेकिन भारत जैसे देश के सामने विशाल आबादी, विकासशील अर्थव्यवस्था, डिजिटल डिवाइड, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, विभिन्न भाषाएं और सामाजिक संरचना को लेकर अलग-अलग चुनौतियां हैं। भारत चाहता है कि एआई का इस्तेमाल केवल कॉर्पोरेट मुनाफे या सैन्य ताकत बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि यह गरीबी घटाने, सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने और शासन को अधिक पारदर्शी बनाने का औजार बने। एआई समिट के जरिए भारत यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि वह एआई फॉर गुड का मॉडल पेश कर सकता है। वह डेमोक्रेटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गवर्नेंस का उदाहरण बन सकता है और ग्लोबल साउथ की चिंताओं को वैश्विक एजेंडे में ला सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और इस्तेमाल का ग्लोबल हब बनाने का बड़ा विज़न 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' पेश किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से भारत में डिज़ाइन करने और दुनिया को डिलीवर करने का आह्वान किया। इस महत्वाकांक्षा को एआई समिट में भी प्रमुखता से दिखाया गया, जिसने भारत को ग्लोबल साउथ में एक लीडर और दुनिया के मंच पर एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर पेश किया।

भारत दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी आबादी के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और इसकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्रांति में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। वर्तमान में भले ही अमेरिका और चीन एआई के दो विपरीत ध्रुव बने हुए हैं, लेकिन भारत में एआई लीडर बनने की तीव्र आकांक्षा और क्षमता है। भारत में भी वर्तमान में एआई पर व्यापक शोध कार्य चल रहा है, जो वैश्विक समस्याओं के समाधान में सहायक हो सकता है। एआई का उद्देश्य लोगों की मदद करना है, न कि उनकी जगह लेना। भविष्य में मनुष्य स्मार्ट सिस्टम के साथ मिलकर काम करेंगे।

सरकार की प्रतिबद्धता इंडिया एआई मिशन जैसी बड़ी पहलों से और मजबूत होती है, जिसके लिए अगले पांच सालों में 10,300 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसका मकसद कंप्यूटिंग पावर बढ़ाना और सस्ती दरों पर रिसर्च के मौके उपलब्ध कराना है। दुनिया भर में एआई के क्षेत्र में भारत की तेज़ी से हुई तरक्की साफ दिखती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने इसे अमेरिका और चीन के बाद एआई वाइब्रेंस में तीसरे स्थान पर रखा है। यह तरक्की भले ही गति दिखाती है, लेकिन स्थापित एआई दिग्गजों से मुकाबले के लिए अभी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है। अमेरिका प्राइवेट इन्वेस्टमेंट, कंप्यूटिंग क्षमता और फाउंडेशन मॉडल डेवलपमेंट जैसे अहम क्षेत्रों में आगे है, जबकि चीन रिसर्च आउटपुट और पेटेंट जेनरेशन में बाज़ी मारता है। भारत का एआई इकोसिस्टम अभी मैच्योर होने के बजाय तेज़ी से बढ़ रहा है। इस कंपीटिशन के माहौल में न सिर्फ एआई की बुनियादी क्षमताओं में बड़ा निवेश जरूरी है, बल्कि स्वदेशी विकास पर भी खास ध्यान देना होगा, खासकर सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में, जहां भारत एक उपभोक्ता से निर्माता बनने की ओर बढ़ रहा है।

आज जब दुनिया एआई क्रांति के मुहाने पर है और भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे सक्षम शक्ति बनने की तैयारी कर रहा है इसी कारण दुनिया भर की नामी एआई कंपनियां देश में दिलचस्पी लेने के साथ भारी निवेश भी कर रही हैं, तब फिर सरकार को एआई क्रांति की चुनौतियों से सावधान रहने के साथ उससे उत्पन्न हो रहे अवसरों को भुनाने के लिए कोई ठोस रूपरेखा बनानी चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पूरी तरह डेटा पर आधारित है। इसका मतलब ये है कि किसी भी एआई टूल के पास जितना अधिक डेटा होगा वो मॉडल उतना ही शक्तिशाली होगा। हालांकि, आधार और यूपीआई जैसी डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के जरिए भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि हम तकनीक को कितने बड़े पैमाने पर लागू कर सकते हैं। अब यही काम हम एआई के साथ करने जा रहे हैं। भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है। लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत एआई को केवल तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि विकास, समावेशन और सुशासन के उपकरण के रूप में देख रहा है। तेजी से बढ़ती एआई प्रतिस्पर्धा के बीच यह शिखर सम्मेलन भारत के लिए अपनी उपलब्धियों को दुनिया के सामने रखने का शानदार अवसर रहा है। एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। डिजिटल विभाजन को कम किए बिना एआई क्रांति अधूरी रहेगी। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं।

एआई छीनेगा नहीं, लाखों नौकरियां देगा युवाओं को

उम्मीद

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

आजकल हर तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चर्चा है। राजधानी में एआई इंपैक्ट सम्मेलन में हाल ही में संपन्न हुआ है। इसमें करीब डेढ़ दर्जन देशों के राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री शामिल हुए। इसके अलावा, सारे संसार से प्रतिनिधि भी भाग ले रहे थे। दरअसल, एआई तकनीक मशीनों को इंसानों जैसा सोचने-समझने की ताकत दे रही है। एआई आ रहा है। चैट जीपीटी, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन। बैंक में एआई चैटबॉट्स, फैक्टरियों में रोबोट्स, गवर्नमेंट में ई-गवर्नेंस। कुछ रूटीन काम ऑटोमेट होंगे, लेकिन इतिहास बताता है कि नई तकनीक अंततः ज्यादा रोजगार पैदा करती है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, एआई से नई स्किल्स वाली नौकरियां बढ़ेंगी। एआई स्पेशलिस्ट, डेटा साइंटिस्ट, मशीन लर्निंग इंजीनियर आदि। एनएएसएससीओएम और अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी, और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। कई अध्ययनों में पाया गया कि एआई से कुछ रूटीन जॉब्स बदलेंगी या कम होंगी, लेकिन नई जॉब्स (जैसे एआई कॉन्फिगरेटर, एक्सपीरियंस डिजाइनर) ज्यादा तेजी से बढ़ रही हैं। भारत में एआई से प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी, व नए सेक्टर जैसे हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर, एजुकेशन में अवसर खुलेंगे। एक बात साफ है कि आज के डिजिटल युग में एआई एक क्रांतिकारी तकनीक बन चुकी है। जहां कुछ लोग एआई को नौकरियों के लिए खतरा मानते हैं, वहीं वास्तविकता यह है कि भारत जैसे युवा-प्रधान देश में एआई नए और बेहतर रोजगार के द्वार खोल रहा है। हाल के वर्षों में भारत ने एआई अपनाने में वैश्विक नेतृत्व हासिल किया है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत दुनिया में एआई प्रतिभा की भर्ती में सबसे आगे है, जहां सालाना भर्ती दर लगभग 33% है। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का मतलब है। ये अवसर मुख्य रूप से मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, एआई इंजीनियरिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई एथिक्स जैसे क्षेत्रों में उभर रहे हैं। बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर एआई जॉब्स के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने भी 2025 में करीब 4.5 लाख नई नौकरियां जोड़ीं, जिनमें एआई-संचालित भूमिकाएं प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे नेताओं ने स्पष्ट किया है कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा, बल्कि उन्हें बदलकर नई संभावनाएं देगा। भारतएआई मिशन, स्किल इंडिया और विभिन्न एडटेक प्लेटफॉर्म्स के जरिए युवाओं को रीस्किलिंग और अपस्किलिंग का अवसर मिल रहा है। एआई स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा रहा है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से लाखों सहायक रोजगार सृजित हो रहे हैं। एआई का नेट प्रभाव रोजगार पर सकारात्मक है। यह उत्पादकता बढ़ाता है, नए उद्योग जन्म देता है और उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा करता है। भारत की 65% से अधिक युवा आबादी इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभार्थी बनेगी, बशर्ते हम कौशल विकास पर फोकस करें। कंप्यूटर की तरह, एआई भी जॉब किलर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर साबित होगा। स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रही सेलेस्टियल एयरोस्पेस के साइंटिस्ट श्रेयांस जैन मानते हैं कि जो लोग एआई सीखेंगे, वे आगे बढ़ेंगे। नई स्किल्स से बेहतर सैलरी, प्रमोशन और अवसर मिलेंगे। पर भारत में प्राइवेट और गवर्नमेंट सेक्टर के लाखों लोग चिंतित हैं कि कहीं, एआई उनकी नौकरी तो नहीं छीन लेगा, लेकिन यह डर पुराना है। याद कीजिए 1980-1990 के दशक को, जब कंप्यूटर भारत में आ रहे थे। तब भी यही डर था कंप्यूटर नौकरिया खा जाएगा। मजदूर यूनियनें सड़कों पर उतरीं, हड़तालें हुई, विरोध प्रदर्शन हुए। सरकारी दफ्तरों बैंकों, रेलवे में हर जगह कंप्यूटर का विरोध। लेकिन कंप्यूटर ने भी रोजगार पैदा किए। संदेश साफ है एआई से नौकरियां नहीं छिनेंगी, बल्कि बढ़ेंगी बशर्ते हम इसे अपनाएं, स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें। सब मिलकर इस नई क्रांति का हिस्सा बनें।

भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। इसलिए स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें।

गलगोटिया जैसी यूनिवर्सिटी पर निगरानी की जरुरत

चिंतन

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन किया गया। पूरी दुनिया से एआई के जानकार और उनसे जुड़े अविष्कारों को दिखाया जा रहा है। इन्हीं सब के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से दिखाए गए एक रोबोट पर विवाद मच गया है जो एक इंटरनेशनल मुद्दा बन गया। मामला यह है कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जिस रोबोट को खुद के द्वारा तैयार किया गया बताया था, लेकिन वह वो चीन का रोबोट निकला। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया में बहुत तेजी से वायरल हो रही हैं। यही नहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी के ऊपर मीम्स भी बन गए हैं। गलगोटिया यूनिवर्सिटी को लेकर देश ही नहीं दुनिया में भी चर्चा होने लगी है। स्थिति यह है कि एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से खुद का रोबोट बताकर चीनी प्रोडक्ट दिखाने के बाद बड़े स्तर पर किरकिरी हो गई। इसके बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी को बुधवार को भारत मंडपम में चल रहे एआई समिट एक्सपो से अपना स्टॉल खाली तक करा दिया। बता दे कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने 'ओरियन' रोबोट एआई समिट में दिखाया गया जो एक रोबोटिक कुत्ता है। इसकी तस्वीर और वीडियो सामने आने के बाद इसकी सच्चाई सबके सामने आ गई। लोगों ने रिसर्च किया और सबकुछ पता चल गया। चीन पल्स एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया गया जिसमें कहा गया कि भारतीय यूनिवर्सिटी ने चीन के रोबोट को खुद का रोबोट बताया। लेकिन सवाल यही है कि देशभर अपनी पहचान रखने वाली ने इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी ने आखिर ऐसा क्यों किया। क्या इसके पीछे कोई राजनितिक साजिश थी, क्योंकि इसको लेकर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह सरकार को बदनाम करने का भी काम हो सकता है। और यदि ऐसा नहीं तो गलगोटिया यूनिवर्सिटी को अपनी बड़े स्तर पर उपस्थिति दर्ज करवानी थी और अपनी यूनिवर्सिटी को सबसे सर्वश्रेष्ठ बताना था। मामला चाहे कुछ भी हो लेकिन इस घटनाक्रम से देश की साख पर बट्टा लग गया। वहीं समिट में पहुंचे तमाम लोगों ने कहा कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ है। स्थिति यह है कि अब देश के एआई भविष्य व गुणवत्ता पर कई तरह के सवालिया निशान खड़े हो गए। इसके अलावा गलगोटिया यूनिवर्सिटी से सालाना हजारों विद्यार्थी पास आउट होते हैं और हाल ही में पढ़ रहे बच्चों को क्या कोई भी नौकरी देगा? इस घटना के बाद कई कंपनियों का दृष्टिकोण इस यूनिवर्सिटी के लिए बदल गया। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में रोबोटिक्स अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है और इसे अभी एक विकसित हो रहे इकोसिस्टम के रूप में देखा जा रहा है लेकिन कुछ कंपनियां सरकार को खुश करने व अपने व्यापार को बढ़ोतरी करने में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। बीते दो दशकों से रोबोटिक्स के क्षेत्र में काम कर रहे और आईआईटी मंडी में रोबोटिक्स के एक प्रोफ़ेसर ने कहा कि भारत के पास तकनीकी क्षमता और प्रतिभा होने के बावजूद इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियां इस क्षेत्र की रफ़्तार को सीमित कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'एआई की आत्मा का एक रोबोटिक शरीर खोजने' जैसा है और यह एक कठिन क्षेत्र है क्योंकि इसमें इंजीनियरिंग की लगभग हर शाखा के समन्वय की आवश्यकता होती है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत जब वैश्विक एआई दौड़ में खुद को प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है ऐसे में यह घटना 'मेड इन इंडिया' की छवि के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारों को मिलकर इस पर निगरानी रखने की सख्त आवश्यकता है और इनकी देखरेख के लिए अलग से एक विभाग बनाना चाहिए जिससे की कोई गड़बड़ी की गुंजाइश न हो। सच्चाई यह है कि जो छोटे संस्थान होते हैं वहां बच्चों को अच्छे से सिखाया जाता है। केवल बड़ी-बड़ी इमारतों को दिखाकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता है। लेकिन अब गलगोटिया प्रकरण के बाद अब बड़े एक्शन ऑफ प्लान की जरुरत है।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ

रोजगार के साथ चुनौतियां भी बढ़ाएगी कृत्रिम बुद्धिमत्ता

चुनौती

चरणजीत चरण

वरिष्ठ साहित्यकार

जैसे ही हम एआई की बात करते हैं, इसे रोजगार के प्रति एक डर के रूप में देखा जाता है और युवाओं के लिए एक चुनौती माना जाता है। आज जैसा कि हम जानते हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन में इतना अधिक घुल-मिल गई है कि हम इसके बिना भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। जब हम इससे मिलने वाले लाभों की बात करते हैं, तो उससे होने वाले संभावित नुकसान स्वाभाविक रूप से हमारी चर्चा के केंद्र में आ जाते हैं। इसे लेकर जो सबसे बड़ा डर और भ्रम किसी भी देश या समाज में हो सकता है, वह है रोजगार में कटौती होना। इसमें कोई शक नहीं है कि एआई के माध्यम से बहुत से काम आसान हुए हैं, कार्यों में लगने वाले समय को न्यूनतम किया गया है तथा कार्य की सटीकता भी बढ़ी है; लेकिन यह चिंता भी चिंतन का विषय है कि यह तकनीक रोजगार के लिए एक चुनौती बनकर उभरी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि पश्चिम की भौतिकवादी दुनिया एआई का इस्तेमाल किसी भी कार्य में सटीकता बढ़ाने और लागत कम करने में करना चाहती है। वहीं भारत की सोच इस विषय में बिल्कुल अलग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, भारत इसका इस्तेमाल खर्च में कटौती के रूप में नहीं, बल्कि गुणवत्ता में सुधार और मानवीय क्षमता के विस्तार के रूप में करना चाहता है। पश्चिम की दुनिया जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानव क्षमताओं के प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग करना चाहती है, वहीं भारत इसे मानव सहयोग के रूप में उपयोग करना चाहता है। हाल ही में हुए दिल्ली एआई समिट का मकसद भी यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता और सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

भारत और पश्चिम की दुनिया में शुरू से अब तक एक बुनियादी अंतर यही रहा है कि पश्चिम ने इस क्षेत्र में जितने भी नवाचार किए हैं, उन्हें बहुत गोपनीय रखा है। साथ ही, ऐसी किसी भी तकनीक को मानव श्रम की कटौती के रूप में इस्तेमाल किया है और उनके तमाम प्रयोग भी इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए नज़र आते हैं। इसके विपरीत, भारत का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से मानव जीवन में आने वाली जटिलताओं का निवारण करना और इसके माध्यम से नए रोजगार का सृजन करना है। उदाहरण के रूप में, भारत ने अपने ग्रामीण क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल कर स्वास्थ्य प्रणाली को सुधारने में अभूतपूर्व कार्य किया है। मरीजों का डेटा एकत्र करने से लेकर जटिल बीमारियों के निदान तक पहुंचना और छोटे-छोटे गाँवों तक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, इन सभी क्षेत्रों में भारत का कार्य सराहनीय है। यदि हम इसकी बुनियाद में जाएँ, तो देखते हैं कि इस प्रणाली के रखरखाव के लिए जिस बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी, उसी से भविष्य में लाखों नए रोजगार सृजित होंगे। भारत में एआई को न सिर्फ सरकारी बल्कि अब निजी क्षेत्र के लिए भी खोल दिया गया है। सरकार पूरी निष्ठा से इस दिशा में कार्य कर रही है कि इसका इस्तेमाल युवाओं में कौशल विकास के लिए हो, न कि छंटनी के लिए। भारत का 'इंडिया एआई मिशन' केवल शोध के लिए नहीं है, बल्कि सरकार की कोशिश है कि देश का युवा बुनियादी रूप से इस क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता और क्षमताओं का विकास करे। दिल्ली समिट के अनुसार, भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा डेटा समूह है। इसी डेटा का उपयोग करने के लिए जिस मानव संसाधन की आवश्यकता है, उसी के कारण भारत दुनिया का एआई कार्यालय बन रहा है। भारत चूंकि एक कृषि प्रधान देश है, इसलिए कृषि क्षेत्र के नवाचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अग्रणी भूमिका निभा सकती है। दिल्ली समिट में विशेषज्ञों के माध्यम से एक विशेष बात उभरकर आई कि भारत का 'सॉवरेन मॉडल' दुनिया के उन तमाम देशों के लिए एक मिसाल है, जो अपनी जनसंख्या को केंद्र में रखकर प्रगति करना चाहते हैं।

भारत ने इस समिट के माध्यम से दुनिया को बताया है कि एआई का विकास रोजगार छीनने के लिए नहीं, बल्कि क्षमता विकास के लिए होगा। भारत चाहता है कि इसका इस्तेमाल 'सहायक बुद्धिमत्ता' के रूप में हो, जो चिकित्सकों, शिक्षकों, अभियंताओं और सृजनशील लोगों जैसे शिल्पकार, संगीतकार, लेखक के सहायक के रूप में कार्य करे, न कि उनका स्थान ले। समग्र रूप से देखें तो इस संदर्भ में सरकार का मकसद है कि तकनीक का उपयोग केवल मशीनों की क्षमता बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उस तकनीक से नए रोजगार कैसे सृजित हों और वह लोगों के दैनिक जीवन को कैसे सुगम बनाए।

एआई समिट का मकसद यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता व सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

कई तरह की समस्याएं भी पैदा कर सकता है एआई

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

नई दिल्ली के भारत मंडपम में जब 'इंडिया-एआई इंपैक्ट समिट 2026' का वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया गया, तब से एक स्वाभाविक प्रश्न द्वारा मन-मस्तिष्क आंदोलित हुए बिना नहीं रह पा रहे हैं, कि क्या भारत व विश्व में प्राकृतिक कृषिकर्म एवं प्रकृति के समुचित संरक्षण हेतु भी कोई अधि मंथनपरक सम्मेलन कभी होगा? क्या इस दिशा में भारतीय शासन, विदेशी शासनों तथा देशी-विदेशी कंपनियों के अथाह धन-संसाधन धारी स्वामियों को इस बारे में कोई आत्मरुचि कभी होगी अथवा नहीं? जीवन की मुख्य आवश्यकताओं से पृथक एआई अर्थात कृत्रिम मेधा का विषय सहसा इतना व्यापक व विशाल क्यों हो गया है कि यह चाहे-अनचाहे सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में आ गया है? ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सॉफ्टवेयर कंपनियों, पूंजीपतियों तथा कम जनसंख्या के साथ अधिक तकनीक व प्रौद्योगिकी से समृद्ध विश्व के लघु आकार वाले देश एआई तकनीक बेचकर लाभार्जन करना चहते हैं। इनमें अमेरिका प्रमुख है। डेयरी उत्पादों पर किंकर्तव्यविमूढ़ता के कारण भारत-अमेरिका के मध्य अपेक्षित व्यापार समझौता नहीं हुआ, तो भारतीय व अमेरिकी शासन तथा दोनों देशों के सॉफ्टवेयर कारोबारियों ने नवीनतम कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी एआई के बलबूते पारस्परिक व्यापार में वृद्धि करने की नीति बनाई है। ये नीति अमेरिका में एआई के प्रसारण के बाद बृहद स्तर पर फैली आजीविका की समस्या तथा भारत में आगामी वर्षों में एआई के कारण संभवतः फैलने वाली आजीविका की समस्या की अनदेखी करके बनाई गई है।

एआई न केवल आजीविका की समस्या अपितु सामाजिक, व्यक्तिगत, सार्वजनिक व अमानवीय समस्याएं भी उत्पन्न करेगा। एक समय उदारीकरण के बाद वाहन उद्योगों को फलीभूत करने देशवासियों को द्विपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहन खरीदने, रखने व चलाने के लिए उकसाया गया था। आज उसके दुष्परिणाम सड़कों पर प्रतिदिन कई घंटों के जाम, समय की बर्बादी, सड़क चौड़ीकरण हेतु वन क्षेत्रों व प्राचीन वृक्षों के कटान, ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, प्राकृतिक विकृतियों के स्वरूप में स्पष्ट दृष्टिगोचर हैं। इन दुष्परिणामों का देश-दुनिया के शासन के पास कोई समाधान नहीं है। लोगों ने इनके साथ घुट-घुट कर जीने को नियति मान लिया है। इसी प्रकार की कई वस्तुओं, सुविधाओं व सेवाओं को रखने एवं खरीदने के लिए लोगों को विवश किया जाता रहा है। लोगों से कभी पूछा नहीं गया कि उन्हें ये सब कुछ चाहिए भी कि नहीं। लोगों के बीच यही स्थिति एआई अर्थात कृत्रिम मेधा की है। कंपनियों ने एक प्रौद्योगिकी विकसित कर दी है। अब उसे आभासी उत्पाद के रूप में बेचने के लिए दुनिया के शासनों पर दबाव बनाओ कि अपनी शासकीय नीतियों के माध्यम से अपने देश की जनसंख्या को इस उत्पाद के ग्राहक के रूप में परिवर्तित करने की योजनाएं बनाइए। एआई सम्मेलन का यही मूल उद्देश्य है। अमेरिका आधारित सॉफ्टवेयर की सर्वाधिक विशाल कंपनी गूगल, अपने आरंभिक सॉफ्टवेयर कर्म से लेकर नवीनतम एआई अनुप्रयोग को एक सूचनापरक आभासी उत्पाद बना, विश्व में प्रसारित कर अधिक से अधिक लाभार्जन करने हेतु व्यग्र है। विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या धारी देश है भारत। गूगल जैसी कंपनियों के लिए अपने सॉफ्टवेयर कारोबार को चमकाने के लिए, भारत न केवल ग्राहक संख्या के स्तर पर, अपितु भारतीय मूल के गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के माध्यम से भी, एआई बाजार का केंद्र बिंदु बना हुआ है। एक अरब पचास करोड़ की जनसंख्या बहुत विशाल है। उसे एआई बेचा जाएगा तो न केवल गूगल, बल्कि अमेरिका भी आर्थिक रूप से संपन्न बनेंगे। आजकल देखा जा रहा है कि भारतीय किशोरों व युवाओं में व्यापक रुचि बने क्रिकेट को विश्वस्तर पर प्रसारित किया जा रहा है और इस प्रसारण अभियान में जो आर्थिक आधार हैं उनमें गूगल की जेमिनी भी प्रमुख प्रायोजक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पूर्व जितने भी वास्तविक एवं अवास्तविक उत्पाद व सेवायें लोगों पर थोपी गई हैं, उनका प्रमुख उद्देश्य जनकल्याण नहीं अपितु व्यक्तिगत व कंपनीगत लाभार्जन ही रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपवाद नहीं है। ये भी जनकल्याण नहीं, विशुद्ध लाभ की योजना है। कृत्रिम रूप में मेधा प्रस्तुत करनेवालों से सीधा प्रश्न है कि क्या यह मेधा बिना व्यक्ति के संचालित हो सकती है? अंततः इसे भी किसी व्यक्ति के मन-मस्तिष्क, विचारों-भावनाओं तथा हाथों द्वारा ही तो चलाया जाना है।

जब ऐसा है तो इस पर इतना अतिशयोक्तिपूर्ण मंथन क्यों किया जा रहा है? क्या देश-दुनिया में अभी तक प्रसारित डिजिटल व कम्प्यूटर आधारित लेन-देन, गतिविधियां तथा अन्य प्रसारण अनुप्रयोग प्रतिकूलताओं अर्थात चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीफ फेक, धोखाधड़ी, दुष्प्रचार, मिथ्या सूचना तथा अन्य विसंगतियों से पूर्णतः मुक्त हैं, जो कृत्रिम मेधा के सम्मुख ये चुनौतियां नहीं उभरेंगी? जब तक देश-दुनिया में बेईमान, मक्कार, अशांत, उपद्रवी, प्रकृति विरोधी, पंगे लेने की दुष्प्रवृत्तियों से घिरे हुए तथा अन्य मानवीय बुराइयों से युक्त लोग रहेंगे, तब तब कृत्रिम मेधा हो अथवा कोई अन्य प्रौद्योगिकी, सभी का पूर्ण दुरुपयोग होता रहेगा। एआई के संबंध में भी कितने ही सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नियम-कानून बन जायं, किंतु जब तक त्वरित व कठोर दंड की नीतियां लागू नहीं होंगी, तब तक कृत्रिम मेधा के माध्यम से भी कुछ भी यथोचित नहीं होगा।

चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीफ फेक, धोखाधड़ी रोकने के लिए एआई के संबंध में त्वरित और कठोर दंड की नीतियां भी लागू करनी होंगी।

संक्षेप

शंकराचार्य की आवाज दबाने की साजिश

अमेठी में पूर्व एमएलसी दीपक सिंह बोले– अपराधी को हथियार बनाया जा रहा है

अमेठी ,कांग्रेस के पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने आरोप लगाया है कि सरकारी तंत्र शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की आवाज दबाने की साजिश रच रहा है। उन्होंने कहा कि उनके प्रस्तावित गोरक्षा और सामाजिक अभियान को रोकने का यह एक सुनियोजित प्रयास प्रतीत होता है। सिंह ने दावा किया कि इस साजिश के तहत एक ऐसे व्यक्ति को आगे किया जा रहा है, जिसके खिलाफ गौकशी, धोखाधड़ी और दंगा भड़काने जैसे गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस व्यक्ति के माध्यम से शंकराचार्य पर फर्जी आरोप लगाए जा रहे हैं। दीपक सिंह ने सवाल उठाया कि जिस आशुतोष की विश्वसनीयता स्वयं संदिग्ध है, उसे एक प्रतिष्ठित धार्मिक संत के खिलाफ 'हथियार' के रूप में इस्तेमाल करना चिंताजनक है। उन्होंने पूछा कि क्या यह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप है कि किसी संत के अभियान को विफल करने के लिए आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति का उपयोग किया जाए, जिसे शामली पुलिस भी तलाश रही है? उन्होंने आगे कहा कि क्या यह असहमति को दबाने और भय का माहौल बनाने की रणनीति का हिस्सा है? सिंह ने चिंता व्यक्त की कि ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच के बजाय बदनामी और दबाव की राजनीति को प्राथमिकता दी जा रही है। दीपक सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि आरोपों के जरिए किसी धार्मिक व्यक्तित्व की छवि धूमिल करने, कार्यक्रमों को बाधित करने और उनकी आवाज बंद करने का प्रयास किया जाता है, तो यह संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता और विधि के शासन पर सीधा आघात है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है, लेकिन कानून का उपयोग किसी साजिश या वैचारिक प्रतिशोध के औजार के रूप में नहीं किया जाना चाहिए।

मतदाता सूची पंजीकरण का विशेष अभियान

जरौटा ग्राम सभा में बीएलओ ने दी अहम जानकारी

अमेठी , संग्रामपुर विकास खंड की जरौटा में रविवार को एक विशेष अभियान आयोजित किया गया। यह अभियान प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में हुआ, जिसमें मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम सत्यापित करने और नाम में भिन्नता को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रेम कुमार द्विवेदी ने स्थानीय निवासियों को आवश्यक दस्तावेजों के बारे में बताया। उन्होंने फॉर्म संख्या 8 के तहत नाम संशोधन की प्रक्रिया की भी जानकारी दी। द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि नए पंजीकरण के लिए फोटो, आधार कार्ड, परिवार रजिस्टर की नकल और वर्ष 2003 की मतदाता सूची से माता-पिता का एपिक नंबर प्रदान करना होगा। वहीं, नाम में भिन्नता या आयु संबंधी समस्या वाले व्यक्तियों को सत्यापन के लिए पैन कार्ड, परिवार रजिस्टर या 10वीं की मार्कशीट जैसे दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। बीएलओ ने स्थानीय निवासियों से अपील की कि वे इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से सहयोग करें।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत सम्पन्न हुआ 763 गरीब कन्याओं का विवाह

विधायक बलहा ने कन्याओं को वितरित की सामग्री व प्रमाण-पत्र

जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने दिया वर-वधू को दिया आशीर्वाद

नकद पुरस्कार प्रदान कर लोक कलाकारों का किया उत्साहवर्द्धन

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा/मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत विकास खण्ड मिहींपुरवा अन्तर्गत नवीन गल्ला मण्डी परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 763 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। वैवाहिक कार्यक्रम में 149 मुस्लिम जोड़े का निकाह हुआ तथा 614 हिंदू जोड़ों का विवाह हिंदू रीति रिवाज के तहत संपन्न कराया गया। वैवाहिक कार्यक्रम में जनपद के समस्त विकासखण्डों व नगरीय निकायों के अंतर्गत जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। मुख्य अतिथि बलहा विधायक सरोज सोनकर, पूर्व सांसद अक्षयबर लाल गोड़, ब्लाक प्रमुख मिहींपुरवा अभिषेक वर्मा उर्फ सौरव, नवाबगंज के जय प्रकाश सिंह, विधायक बलहा के प्रतिनिधि आलोक जिंदल, भाजपा उपाध्यक्ष कृपाराम वर्मा तथा अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात पाण्डाल में मुख्य वेदी पर यजमान के रूप में संयुक्त रूप से कन्या पूजन के साथ वैदिक रीति-रिवाज के साथ कन्यादान किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राज कुमार, पीडी डीआरडीए मनीष कुमार, एसडीएम राम दयाल, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रद्युम्न सिंह, तहसीलदार धर्मेंद्र कुमार, बीडीओ मिहींपुरवा विनोद यादव, समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पाण्डेय, मोतीपुर थानाध्यक्ष आनन्द चौरसिया, मिहीपुरवा चौकी प्रभारी अशोक सिंह, विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नामित अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, गणमान्य व संभ्रान्तजन तथा बड़ी संख्या में वर-वधू के रिश्तेदार व ईष्टमित्र मौजूद रहे। विधायक बलहा श्रीमती सरोज सोनकर ने अन्य अतिथियों के साथ कन्याओं को सामग्री एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया तथा लोक कलाकारों को नकद धनराशि भेंट कर उत्साहवर्द्धन किया।

वैवाहिक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती सरोज सोनकर, पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड व अन्य वक्ताओं ने सभी मंचासीन अतिथियों, वर-बधु तथा साथ आये अभिभावकों, विभिन्न व्यवस्थाओं में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। वक्तागण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत पर्याप्त धनराशि की व्यवस्था के साथ ही विवाह के लिए प्रति जोड़ा एक लाख रुपये की व्यवस्था की गयी है तथा प्रदेश की एक लाख गरीब कन्याओं का विवाह कराने के लिए जनपदो के जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने इस अवसर पर महिलाओं को सम्मान देने पर बल दिया।

वक्तागण ने नव विवाहित जोड़ों को सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए सामूहिक विवाह जैसी योजना की पहल के लिए प्रदेश सरकार विशेषकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह के दौरान लोक कलाकारों द्वारा शिव पार्वती, राधाकृष्ण व सीता माता व भगवान राम के विवाह प्रसंगों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये। वैवाहिक कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों, गणमान्य व संभ्रान्तजन तथा अधिकारियों द्वारा नव विवाहित दम्पत्तियों पर पुष्प वर्षा करते हुए आशीर्वाद प्रदान कर नव दम्पत्तियों को वैवाहिक सामग्री और मिष्ठान का भी वितरण किया गया।

औचक जांच में आल ईज वेल पाये गये 02 चीनी मिलों के तौल कांटे

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जिला गन्ना अधिकारी आनन्द शुक्ला ने बताया कि विधिक बांट माप विज्ञान विभाग की मोबाइल टेस्टिंग वैन ने सहायक नियंत्रक (अयोध्या/देवीपाटन मंडल) के नेतृत्व में इंण्डियन पोटल लिमिटेड इकाई जरवल रोड तथा पारले चीनी मिल के गेटों पर स्थापित तौल कांटों की जांच की गई। तौल कांटों की जांच में दोनों चीनी मिलों में स्थापित तौल संयंत्र दुरूस्त पाये गये। श्री शुक्ला ने बताया कि तौल कांटों की जांच हेतु सम्पूर्ण प्रदेश में कुल 03 मोबाइल टेस्टिंग वैन हैं। मोबाइल टेस्टिंग वैन द्वारा 10-10 कुण्टल के मानक बांटों द्वारा तौल कांटों की जांच की जाती है। उन्होंने बताया कि तौल कांटों की जांच के समय विधिक बांट माप विभाग के मंडलीय अधिकारी तथा बहराइच के विभागीय अधिकारी, मिलों के इकाई प्रमुख, विभागाध्यक्ष (गन्ना) बड़ी संख्या में चीनी मिल में गन्ना आपूर्तिकर्ता कृषकगण मौजूद रहे। तौल कांटों की जांच के नतीजों पर क्षेत्रीय गन्ना कृषकों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई है।

फखरपुर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 330 मरीजों को मिली दवा व चश्मे

समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म: डॉ. अरविंद सिंह

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। ब्लॉक मुख्यालय फखरपुर में कैसरगंज क्षेत्र के समाजसेवी डॉ. अरविन्द सिंह (भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ सह-संयोजक) द्वारा निशुल्क दवा वितरण एवं नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने डॉ. अरविन्द सिंह की समाज सेवा के प्रति समर्पित भावना की सराहना की। शिविर में कुल 330 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां एवं चश्मे वितरित किए गए। डॉ. अरविन्द सिंह ने कहा कि समाज सेवा से बढ़कर कुछ नहीं है। यदि किसी गरीब और जरूरतमंद के काम आ सकें तो इससे बड़ी खुशी कोई नहीं। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी कैसरगंज, जरवल, मंझारा व तौकली में शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वीरेन्द्र कुमार व रणवीर सिंह मुन्ना (ब्लॉक प्रमुख फखरपुर) समेत रत्नाकर पांडेय (ब्लॉक प्रमुख

तेजवापुर), सीताराम पांडे (मंडल अध्यक्ष), अभिषेक शुक्ला, विशाल सिंह मुन्ना, रोहित अवस्थी (पूर्व मंडल महामंत्री), श्याम जी त्रिपाठी, किरण वैश (उपाध्यक्ष), मोहन अवस्थी, हनुमान यादव, हृदयराम गुप्ता, के.के. पंडित, घनश्याम सिंह, राजन सिंह, गुड्डू सिंह चौहान, आशीष सिंह, पिंटू सिंह, पप्पू सिंह सहित अनेक प्रधान व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बहराइच की गौरव और शान डॉ. अशोक गुलशन ने किया नया कीर्तिमान स्थापित

डॉ0 गुलशन को मिले इंटरनेशनल पीस अवार्ड से बढ़ा जिले का गौरव

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा/मो. कौशर

बहराइच। बहराइच की शान और गौरव डॉ0 गुलशन को फिर से मिला बड़ा सम्मान। ये सम्मान जिले का नाम के लिए गर्व और खुशी का संदेश लेकर आई, जब जिले के प्रख्यात कवि, साहित्यकार और समाजसेवी डॉ. अशोक पाण्डेय गुलशन को तमिलनाडु की संस्था Miracle Boys द्वारा इंटरनेशनल पीस अवार्ड से सम्मानित किए जाने की खबर सामने आई। सम्मान की सूचना मिलते ही साहित्यकारों, चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों और शुभचिंतकों में उत्साह की लहर दौड़ गई और बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। ज्ञात हो कि सेवानिवृत्त आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी डॉ. गुलशन पिछले चार दशकों से साहित्य, चिकित्सा और समाज सेवा के माध्यम से मानवता की सेवा में जुटे हैं। उनकी सेवाओं और रचनात्मक योगदान ने उन्हें देश-विदेश में विशिष्ट पहचान दिलाई है। डॉ. गुलशन का नाम Limca Book of Records तथा World Book of Records सहित 56 रिकॉर्ड पुस्तकों में दर्ज है। समाज सेवा और मानवीय कार्यों के लिए उन्हें विश्व के 60 देशों और भारत के 23 राज्यों की संस्थाओं द्वारा अब तक 1879 सम्मान और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। मानवता, विश्व शांति, चिकित्सा और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नाइजीरिया से डी.लिट. सहित 30 देशों से 94 मानद डॉक्टरेट और अनेक अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं। हिंदी साहित्य की 26 पुस्तकों के रचयिता डॉ. गुलशन को 42 देशों से सैकड़ों साहित्यिक सम्मान भी मिल चुके हैं। डॉ. अशोक गुलशन को मिला यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि बहराइच के लिए भी गौरवपूर्ण क्षण है। डॉ0 गुलशन के ये गौरवगाथा बहराइच को विश्वस्तर पर एक अलग पहचान दिलाती नजर आती है।

रुपईडीहा में यातायात चेकिंग अभियान

86 मोटरसाइकिलों का चालान तथा 5 ई-रिक्शा सीज

अमन लेखनी समाचार / मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। सीमावर्ती कस्बा रुपईडीहा में यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के उद्देश्य से थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत के नेतृत्व में विशेष यातायात चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर वाहनों की सघन जांच की। चेकिंग के दौरान जिन वाहन चालकों के पास आवश्यक कागजात नहीं मिले या बिना हेलमेट वाहन चलाते पाए गए, उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान किया गया। थाना क्षेत्र की सभी प्रमुख चौकियों पर एक साथ अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत कुल 86 मोटरसाइकिलों का चालान किया गया। वहीं, चेकिंग के दौरान 5 ई-रिक्शा चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस व अन्य जरूरी कागजात नहीं मिलने पर उनके वाहन सीज कर दिए गए। इस मौके पर थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत, चौकी प्रभारी निमिया जितेश सिंह, एसआई राहुल सहित थाने की पूरी पुलिस टीम मौजूद रही। पुलिस ने बताया कि यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

बार एसोसिएशन कैसरगंज का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

एसडीएम बोले, न्यायिक प्रक्रिया में अधिवक्ताओं की भूमिका अहम

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। तहसील सभागार में बार एसोसिएशन कैसरगंज का शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत गरिमामय, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अपने-अपने पद की शपथ लेकर अधिवक्ता हितों की रक्षा, न्यायिक मूल्यों के पालन तथा संगठन को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा रहे। उन्होंने कहा कि बार और बेंच न्याय व्यवस्था की दो मजबूत कड़ियाँ हैं तथा अधिवक्ताओं की एकता ही किसी भी संगठन की सबसे बड़ी शक्ति होती है। विशिष्ट अतिथि के रूप में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सह-अध्यक्ष प्रदीप सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने अधिवक्ताओं को आचरण, अनुशासन एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। ब्लॉक प्रमुख संदीप सिंह बिसेन ने अधिवक्ताओं के सामाजिक दायित्वों की सराहना की। वहीं एसडीएम कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में अधिवक्ताओं की न्यायिक प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा करते हुए प्रशासन और बार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष गंगाधर मिश्र ने की। अध्यक्ष पद पर विनोद कुमार बिसेन एवं ज्ञान बाबू वर्मा द्वारा आधा-आधा कार्यकाल के सिद्धांत के तहत नेतृत्व की घोषणा की गई। महामंत्री पद पर वीरेंद्र पांडे, उपाध्यक्ष पद पर अनिल श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी शपथ ग्रहण किया। समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की उपस्थिति में कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इसे संगठन के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

एसडीएम नानपारा की त्वरित कार्रवाई से सरकारी चकमार्ग हुआ कब्जा मुक्त

सुबह जनसुनवाई में प्राप्त हुई शिकायत का तत्काल हुआ निस्तारण

एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने राजस्व टीम को मौके पर भेज कर हटवाया कब्जा

अमन लेखनी समाचार / संतोष मिश्रा

बहराइच। उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी की जनसुनवाई में एक शिकायत प्राप्त हुई कि ग्राम अंबरपुर की गाटा संख्या 112 एवं 110 जोकि राजस्व अभिलेखों में सरकारी चकमार्ग के रूप में दर्ज है, पर अवैध कब्जा करके फसल बोई गई है। जिसके कारण ग्रामवासियों को अपने अपने खेतों पर आने जाने में काफी दिक्कत हो रही है। शिकायत का त्वरित संज्ञान लेने वाली एसडीएम ने एसडीएम ने तत्काल राजस्व टीम को मौके पर भेजकर स्वयं प्रकरण की मॉनिटरिंग की। राजस्व टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण एवं अभिलेखों के सत्यापन में चकमार्ग पर अवैध अतिक्रमण की पुष्टि होने पर एसडीएम के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर से जुताई कर सरकारी चकमार्ग को कब्जामुक्त कराया गया। प्रशासन की इस तत्पर कार्रवाई से ग्रामीणों को पुनः आवागमन की सुविधा सुचारु रूप से उपलब्ध हो सकी। उप जिलाधिकारी श्रीमती जौहरी ने बताया कि तहसील क्षेत्र अन्तर्गत सरकारी भूमि, चकमार्ग अथवा सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में तत्काल नियमानुसार कार्रवाई अमल में लायी जाय।

कुत्तों के हमले में युवक घायल, सीएचसी से जिला चिकित्सालय रेफर

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जिले के शिवपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर धोबिया हार निवासी मंसूर अली पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर लहूलुहान कर दिया जिससे पीड़ित को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय बहराइच रेफर किया गया है। पीड़ित मंसूर अली के भाई मुस्तफा अली ने बताया कि सोमवार लगभग 4:30 बजे मंसूर अली मांगलिक कार्यक्रमों का निमंत्रण वितरित कर रहे थे कि इसी बीच गांव निवासी तीरथ भुर्जी के पाल्य कुत्तों ने मंसूर पर आक्रमण कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आस पास के ग्रामीणों ने छुड़ाया तब जाकर उसकी जान बची। परिजनों द्वारा इलाज के लिए तुरंत सीएचसी मोतीपुर ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उपरांत पीड़ित मंसूर को जिला चिकित्सालय बहराइच रेफर कर दिया है। पीड़ित पक्ष ने स्थानीय चौकी बैबाही पर लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि तीरथ भुर्जी के पाल्य कुत्ते काफी खतरनाक हैं और हाल ही में अरनवा निवासी एक व्यक्ति पर हमला कर घायल किया था जिसकी बाद में मौत हो गई। कई अन्य ग्रामीणों को भी यही कुत्ते घायल कर चुके हैं। कुत्ता स्वामी तीरथ से उलहना करने पर पीड़ित पक्ष से अभद्रता की गई। वहीं ऐसे खतरनाक कुत्तों को दिन में छोड़ा जाना ग्रामीणों व बच्चों के लिए खतरा बना है। सम्बन्ध में चौकी प्रभारी बैबाही उपनिरीक्षक महेंद्र कुमार सिंह ने बताया है कि जांच की जा रही है, पाल्य स्वामी पर यथोचित कार्यवाही की जाएगी।

मानदेय बढ़ाने के लिए शिक्षामित्रों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षामित्र के मानदेय बढ़ोतरी को लेकर विधानसभा में घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब शिक्षामित्र को 1 अप्रैल 2026 से 18000 रुपए मानदेय दिया जाएगा जो की शिक्षामित्र की जिंदगी में खुशहाली 9 साल बाद लौटी है उसके लिए मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद आज हम सभी शिक्षामित्रों की बहुप्रतीक्षित मांग-मानदेय वृद्धि-को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वीकार करते हुए 18,000 प्रति माह मानदेय को घोषणा की गई है। जिला अध्यक्ष शिव श्याम मिश्रा ने कहा कि यह समाचार सुनकर लम्बे समय से हताश एवं निराश शिक्षामित्रों के जीवन में नई आशा,उत्साह एवं सम्मान की भावना का संचार हुआ है साथ ही महिला प्रकोष्ठ तृप्ति सिंह ने कहा जिले में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा जिसमें विधायक और एमएलसी लोगों का सम्मान कर जो मागे अधूरी है उनको पूरा करवाने का प्रयास पुनः चालू होगा संगठन अभी अपनी पैरवी चालू रखे रहेगा। जिला प्रभारी रिजवान अली ने कहा कि यह निर्णय शिक्षामित्रों के समर्पण,परिश्रम एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान का सम्मान है क सभी शिक्षामित्र मुख्यमंत्री एवं शिक्षामन्त्री का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हैं। शिक्षामित्रों के पक्ष में पैरवी करने वाले सभी सांसद, विधायक, एम० एल० सी०, प्रिंट एवं इलेक्ट्रिक मीडिया के सभी पत्रकार बंधुओं, सभी माननीयों एवं राजनेताओं का सभी शिक्षामित्र हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। यह निर्णय हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष, गर्व एवं संतोष का विषय है।

सऊदी अरब में नौकरी का झांसा, 4.50 लाख की ठगी

प्रतापगढ़ के युवक से धोखाधड़ी, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , एक युवक से सऊदी अरब में नौकरी दिलाने के नाम पर 4.50 लाख रुपये की ठगी की गई है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया है। घटना पिछले साल फरवरी में शुरू हुई थी। कंधई थाना क्षेत्र के गुतौली निवासी मोहम्मद सज्जाद के बेटे सुफियान मुंबई में टैक्सी चलाते थे। पिछले साल फरवरी में उनकी टैक्सी में ताबिश शेख नामक एक व्यक्ति बैठा, जिसने खुद को ट्रेवेल एजेंसी संचालक बताया और सुफियान को सऊदी अरब में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। सुफियान उसके झांसे में आ गए। इसके बाद सुफियान, दिलीपपुर थाना क्षेत्र के करनपुर खूंझी निवासी इसराफिल और सुल्तानपुर के परसीपुर के जाकिर के साथ मुंबई के नागपाड़ा स्थित ताबिश शेख के बताए पते पर पहुंचे। वहां ताबिश ने एजेंसी में काम करने वाले जौनपुर के खेतासराय कोतवाली क्षेत्र के पारा कमाल निवासी मोहम्मद अयूब से उनकी बात कराई। तीनों युवकों से सऊदी अरब भेजने के लिए दस्तावेज और 4.50 लाख रुपये ले लिए गए। अप्रैल 2025 में तीनों युवक सऊदी अरब के जेद्दा पहुंचे, जहां उन्हें एक फर्जी कंपनी का पता बताया गया। वहां पहुंचने पर उन पर 20 रियाल का अर्थदंड लगाकर बंधक बना लिया गया। आरोप है कि उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाया गया और भोजन तक नहीं दिया गया। तीन महीने बाद किसी तरह मुक्त होने पर उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों से संपर्क किया। जिला प्रशासन के प्रयासों से तीनों युवक मुंबई वापस लौट पाए।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत, हत्या की आशंका

चाचा ने रिश्तेदार से अवैध संबंध का आरोप लगाया, पुलिस जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , जनपद के देल्हूपुर थाना क्षेत्र के सहेरुआ गांव में एक 35 वर्षीय महिला का शव शनिवार शाम उसके घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान पूजा गुप्ता के रूप में हुई है। परिजनों ने उनकी हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पूजा की शादी वर्ष 2015 में कुलदीप गुप्ता से हुई थी और वर्ष 2016 में उनके एक पुत्र का जन्म हुआ था। परिजनों के अनुसार, वर्ष 2023 में पूजा के पति कुलदीप गुप्ता का शव मुंबई में ट्रेन के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। उस समय भी परिवार के कुछ लोगों को पूजा पर संदेह था। पति की मृत्यु के बाद पूजा कुछ समय ससुराल में रहीं, फिर मायके चली गईं और बाद में मुंबई में रहने लगीं। हाल ही में वह दोबारा ससुराल क्षेत्र में आकर शनि देव मंदिर के पास दुकान लगाकर मेला करती थीं। मृतका के बेटे के चाचा रामलखन गुप्ता ने आरोप लगाया है कि पूजा के अपने एक रिश्तेदार (मौसिया ससुर) से कथित अवैध संबंध थे। उन्होंने दावा किया कि घटना से पहले दोनों के बीच मोबाइल पर 18 बार बातचीत हुई थी। रामलखन गुप्ता ने आशंका जताई है कि उक्त व्यक्ति ने ही पूजा की हत्या की या करवाई है। गांव में भी प्रेम प्रसंग को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीओ रानीगंज विनय प्रभाकर साहनी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

संक्षेप

एनएचआईए ने हटाए अवैध होर्डिंग्स

राष्ट्रीय राजमार्ग और चौराहों से हटाए गए बैनर, अभियान जारी

बागपत , राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआईए) ने अवैध होर्डिंग्स और बैनरों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया। इस कार्रवाई के तहत मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग, व्यस्त चौराहों और सड़क किनारे से बिना अनुमति वाले विज्ञापन बोर्ड हटाए गए। अभियान के दौरान, एनएचआईए की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। जेसीबी मशीन की मदद से इन अवैध संरचनाओं को हटाया गया।अधिकारियों के अनुसार, ये अवैध विज्ञापन बोर्ड लंबे समय से राष्ट्रीय राजमार्ग की सुंदरता को प्रभावित कर रहे थे। इनसे यातायात व्यवस्था भी बाधित हो रही थी और कई स्थानों पर ये वाहन चालकों की दृश्यता को प्रभावित कर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा रहे थे। एनएचआईए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि पर किसी भी प्रकार का विज्ञापन या होर्डिंग लगाने के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। बिना अनुमति लगाए गए सभी बोर्डों को हटाया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जुमार्ना व कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के दौरान संबंधित दुकानदारों और विज्ञापन एजेंसियों को सख्त चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नियमित निरीक्षण अभियान चलाए जाएंगे। एनएचआईए के अधिकारी अंकित कुमार ने दोहराया कि सड़क सुरक्षा और सुचारु यातायात बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

मेगा विधिक सेवा शिविर का आयोजन

कमजोर वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता और सरकारी योजनाओं की जानकारी मिली

बागपत , जनपद न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक मेगा विधिक सेवा शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करना तथा उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देना था। शिविर का शुभारंभ जिला जज ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बागपत के पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लोगों को उनके कानूनी अधिकारों, लोक अदालत, निःशुल्क विधिक सहायता, पारिवारिक विवादों के निपटारे, महिला एवं बाल संरक्षण कानूनों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को सुनकर संबंधित विभागों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी और उनकी आवेदन प्रक्रिया भी समझाई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का लक्ष्य आम जनता को न्याय के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुलभ तथा त्वरित सहायता उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के समापन पर, सभी विभागों के अधिकारियों ने जनहित में सहयोग और समन्वय बनाए रखने का संकल्प लिया।

प्रदेश के स्वास्थ्य सेवाओं में प्रयागराज पहला स्थान

एनएचएम के हेल्थ डैशबोर्ड में जनवरी 2026 में अव्वल, नवंबर और दिसंबर 2025 में था दूसरा स्थान

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में प्रयागराज ने पहला स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत जनवरी 2026 के हेल्थ डैशबोर्ड की ताजा रैंकिंग में प्रयागराज प्रदेश के 75 जिलों में अव्वल साबित हुआ है। इससे पहले नवंबर और दिसंबर 2025 में जिला दूसरे स्थान पर रहा था। पड़ोसी जिला कौशाम्बी ने भी अपनी रैंकिंग सुधारते हुए नौवां स्थान प्राप्त किया है, जो नवंबर व जनवरी से बेहतर प्रदर्शन है। एनएचएम के 16 निर्धारित मापदंडों पर प्रयागराज का प्रदर्शन सराहनीय रहा। इनमें संस्थागत प्रसव, सिजेरियन प्रसव, बच्चों का टीकाकरण, परिवार नियोजन, टीबी मरीजों का नोटिफिकेशन, प्रति आशा भुगतान, स्टील बर्थ, आउट लेयर, स्वास्थ्य सुविधाओं की रिपोर्टिंग, गर्भवती महिलाओं की एचआईवी जांच, एचबीएलसी विजिट, आशा गृह भ्रमण, गर्भवती महिलाओं का हीमोग्लोबिन टेस्ट, प्रति हजार आबादी पर आशाओं की संख्या, डिलीवरी लोड के अनुपात में प्रसव इकाइयों की उपलब्धता तथा एसबीए प्रशिक्षित स्टाफ नर्स व एएनएम की संख्या शामिल हैं। कार्यक्रम प्रबंधक विनोद सिंह ने बताया कि इन सभी क्षेत्रों में जिला टीम ने उत्कृष्ट कार्य किया। जनपद स्तर पर मेजा पहला, हंडिया दूसरा, भगवतपुर तीसरा, होलागढ़ चौथा तथा शंकरगढ़ पांचवें स्थान पर रहे। वहीं, शहरी क्षेत्र का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा। मंडल स्तर पर प्रयागराज प्रदेश के 18 मंडलों में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। सीएमओ डॉ. एके तिवारी ने कहा कि प्रदेश में प्रयागराज का प्रथम स्थान बड़ी उपलब्धि है। पूरी टीम को बधाई। इस प्रदर्शन को बनाए रखना जरूरी है। इस सफलता से स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति मिली है।

हाईस्कूल अंग्रेजी परीक्षा के दौरान विवाद

विभागीय अधिकारी की नाराजगी, जांच टीम को वापस भेजा गया

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , हाईस्कूल की अंग्रेजी परीक्षा के दौरान सोमवार को फूलपुर क्षेत्र के एक परीक्षा केंद्र पर चेकिंग को लेकर विवाद हो गया। सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक (बीएसए) की टीम औचक निरीक्षण के लिए पहुंची थी। तभी जिला स्तर के एक विभागीय अधिकारी को सूचना मिल गई। कथित रूप से नाराजगी जताते हुए उन्होंने टीम को लौट जाने का निर्देश दे दिया। इस शिकायत पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव ने तत्काल संज्ञान लेते हुए केंद्र का सीसीटीवी फुटेज मंगाया है। उन्होंने गोपनीय जांच के सख्त निर्देश जारी किए हैं। सचिव ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जांच में नकल या किसी अधिकारी की संलिप्तता पुष्ट हो जाती है, तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसमें विभागीय जांच से लेकर आपराधिक मुकदमा दर्ज करना भी शामिल हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, प्रयागराज के कई परीक्षा केंद्रों पर कैमरे बंद कर नकल कराने की शिकायतें पहले से ही परिषद तक पहुंच रही हैं। विशेष रूप से वित्तविहीन विद्यालयों में निरीक्षण की सख्ती की कमी का आरोप लग रहा है। इसके विपरीत, राजकीय और सहायता प्राप्त विद्यालयों पर नियमित जांच हो रही है। इस दोहरे रवैये से अभिभावकों और उम्मीदवारों में असंतोष बढ़ गया है। शिक्षा विभाग पर नकल माफिया के दबाव का भी आरोप लगाया जा रहा है। परिषद ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा केंद्रों पर सतर्कता बरती जाए। प्रयागराज में हाईस्कूल परीक्षा 18 फरवरी से चल रही है, जिसमें लाखों छात्र शामिल हैं। इस घटना के बाद स्थानीय अभिभावक संगठनों ने सख्त निगरानी की मांग तेज कर दी है। जांच रिपोर्ट जल्द आने की संभावना है।

पांच दिन से लापता बुजुर्ग का तालाब में मिला शव

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के थरियांव थाना क्षेत्र अंतर्गत मलांव गांव निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग शिवप्रसाद पुत्र शिवबालक लोधी के गुमशुदा हो जाने के पांचवें दिन बुजुर्ग का शव गांव के बाहर एक तालाब में मिला जिससे गांव में सनसनी फैल गई स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल क्षेत्रीय पुलिस प्रशासन को सूचना दी सूचना पाकर पहुंचे थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने ग्रामीणों की सहायता से मृतक के शव को बाहर निकाला वहीं परिजनों ने मृतक की पहचान की जानकारी लेने पर परिजनों ने बताया कि बुजुर्ग की मानसिक स्थिति काफी दिनों से ठीक नहीं चल रही थी जिसके कारण वह अधिकतर बिना सूचित किये घर से चले जाते थे और कुछ दिन बाद वापस भी आ जाते थे बीते दिन गुरुवार देर शाम समय वह घर से निकल गए जहां परिजनो ने काफी खोजबीन की लेकिन कोई सुराख नहीं मिला थाना प्रभारी ने पंचनामा करते हुए शव को मर्चरी हाउस फतेहपुर रवाना किया वहीं मौके पर मौजूद बेटे लवकुश शिवशंकर बेटी

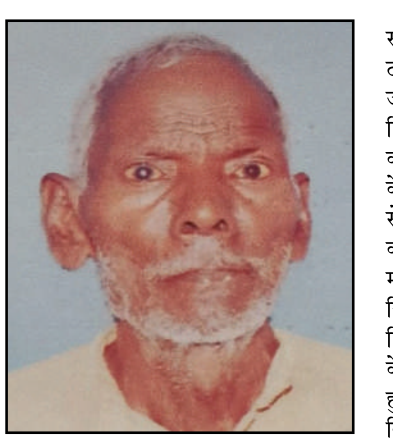

शकुंतला व भुवनेश्वरी आदि गमगीन दिखाई दिए जानकारी लेने पर थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

बिना साक्ष्य के आशा कार्यकत्री अभ्यर्थी ने कर्मचारी के ऊपर घूसखोरी का लगाया आरोप

चिकित्सा अधीक्षक ने कर्मचारी तथा अभ्यर्थी से स्पष्टीकरण की किया मांग

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। वर्तमान सरकार द्वारा चलाई जा रही जीरो टारलेंस नीति के आधार पर जगह-जगह शिक्षा स्वास्थ्य समेत अन्य विभागों में रिक्त पड़े पदों में नियुक्ति कराई जा रही है जिसके तहत जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमौली से संबद्ध ग्राम सभा भरसा अंतर्गत पूर्व काल में आशा कार्यकत्री की अचानक मौत हो जाने पर स्थान रिक्त हो गया जिसकी नियुक्ति हेतु विभाग द्वारा विज्ञप्ति जारी की गई तथा ग्राम प्रधान के तत्वावधान में खुली मीटिंग कराते हुए खाली पड़े पद को भरने का प्रस्ताव दिया गया ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान ने समूचे ग्राम पंचायत से केवल एक महिला का फॉर्म विभाग को भेजा जहां अभ्यर्थी महिला फार्म जमा करने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और फॉर्म जमा किया वहीं महिला अभ्यर्थी ने अस्पताल की कर्मचारी पर 50000 रुपए रिश्वत मांगने का आरोप लगाया सोशल मीडिया यूट्यूब के माध्यम से उठाई गई आवाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर पुष्कर कटियार के पास पहुंची जहां तत्काल चिकित्सा अधीक्षक ने कर्मचारी से स्पष्टीकरण की मांग की वही साक्ष्य न मिलने पर महिला अभ्यर्थी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया

आखिर पूरे ग्राम पंचायत से एक ही अभ्यर्थी क्यों

हैरतअंगेज बात यह है कि जब ग्राम सभा की खुली मीटिंग करते हुए ग्राम प्रधान ने नियुक्ति का ऐलान किया था तो पूरे ग्राम पंचायत से केवल एक ही व्यक्ति का चयन करते हुए फॉर्म भेजना असंवैधानिक है किसी भी पद को भरने के लिए केवल एक ही फॉर्म भेजना उचित नहीं है स्थानीय कुछ लोगों का मानना है कि अभ्यर्थी की सास पूर्व काल में अस्पताल में कार्यरत आशा कार्यकत्री थी सहानुभूति जताते हुए ग्राम प्रधान ने बहू का चयन करके फॉर्म भेज दिया जबकि अन्य अभ्यर्थी भी अपना फार्म लिए कतार में लगे थे इस बारे में जानकारी लेने पर चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि अभ्यर्थी महिला फॉर्म लेकर आई थी जिसे जमा कराया गया था पैसे की लेनदेन की कोई बात अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई खाली पड़े पद के भरने में यदि कोई खामियां हैं तो निश्चित रूप से विभाग का आदेश आते ही पुनः खुली मीटिंग कराते हुए इस पद की नियुक्ति कराई जाएगी

टीपीनगर में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

तेल टैंकर की छत पर चढ़ते वक्त इलेक्ट्रिक लाइन की चपेट में आया युवक

अमन लेखनी समाचार

मेरठ,टीपीनगर के पूठा स्थित एक पेट्रोलियम कंपनी के डिपो में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। चर्चा है कि युवक एक रेल टैंकर की छत पर चढ़ा था और वह करंट की चपेट में आ गया। पुलिस मामले में अनभिज्ञता जता रही है। पहले एक नजर हादसे पर डालियेपूठा में एक पेट्रोलियम कंपनी का डिपो बना है। यहां रेल की मदद से टैंकर पहुंचते हैं। रविवार शाम भी यहां टैंकर पहुंचे थे। इसी दौरान एक युवक टैंकर की छत पर चढ़ गया और हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गया। धमाके के साथ युवक दूर जाकर गिरा और उसकी मौत हो गई। शोर सुनकर जुटे आसपास के लोग धमाके की आवाज सुनकर कुछ लोग डिपो के अंदर भागे। उनकी नजर जमीन पर तड़प रहे युवक पर गई। उन्होंने युवक को संभालने की कोशिश की लेकिन कुछ देर बाद उसने दम तोड़ दिया। दीपों पर मौजूद लोगों ने सूचना परिजनों को दी जिसके बाद में मौके पर आए और बिना किसी कार्रवाई के युवक को साथ लेकर चले गए। हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया युवक काफी देर तक डिपो में खलबली मची रही लेकिन युवक की पहचान नहीं हो सकी। संभावना जताई जा रही है कि युवक पेट्रोल निकालने के लिए रेल के टैंकर पर चढ़ा था और इसी दौरान वह ट्रेन के ऊपर से जा रही इलेक्ट्रिक लाइन की चपेट में आ गया।

गाजियाबाद में चलती कार में लगी भीषण आग

ड्राइवर ने किसी तरह कूदकर बचाई जान, दमकल की गाड़ी ने 10 मिनट में काबू पाया

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, विजयनगर में रात दिल्ली की एक कार में भीषण आग लग गई। इस दौरान ड्राइवर ने किसी तरह कूदकर जान बचाई। आसपास के लोग जलती हुई कार की वीडियो बनाने में लग रहे। सूचना पर कोतवाली फायर स्टेशन से अग्निशमन विभाग की गाड़ी पहुंची। इसके बाद 10 मिनट में आग पर काबू पाया। पुलिस ड्राइवर से पूरी घटना की जानकारी करने में जुटी रही। शॉर्ट सर्किट से कार में आग लगनी बताई जा रही है। जलकर राख हुई काररात में विजय नगर डूडाहेड़ा गाड़ी में आग लग गई। आग की सूचना पाकर तत्काल एफएस क्रासिंग फायर यूनिट को दी गई। यहां डीएल 3 उउ 7943 में आग लगी हुई थी। फायर यूनिट के द्वारा हौजरील फैलाकर आग को बुझाना शुरू किया। कार मालिक सूरज प्रकाश निवास -बी 28 कामाख्या विलेज शाहबेरी नोएडा से भी पुलिस ने जानकारी ली।

यूपी-दिल्ली में 250 कार चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश

फॉर्च्यूनर 4 लाख और स्कॉर्पियो 3 लाख में बेचते थे, गाजियाबाद में 2 गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , स्वाट टीम और मोदीनगर पुलिस ने लग्जरी गाड़ियों की चोरी करने वाले गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इस गिरोह में 20 से अधिक लोग शामिल हैं और यह गैंग अब तक 250 से ज्यादा कारें चोरी कर यूपी, दिल्ली और हरियाणा में बेच चुका है। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों के पास से स्कॉर्पियो समेत तीन कारें बरामद की गई हैं। गिरोह के सदस्य फर्जी नंबर प्लेट और फर्जी आरसी तैयार कर वाहनों को बेचते थे। गिरफ्तार दोनों आरोपी मेरठ के रहने वाले हैं।

मोबाइल चोरी से शुरू किया अपराध

पकड़े गए आरोपी हरेंद्र उर्फ हनी ने पुलिस को बताया कि वह मूल रूप से मेरठ का रहने वाला है और वर्तमान में दिल्ली के खजूरी खास में किराये के मकान में रहकर वाहन चोरों का गैंग चलाता था। वर्ष 2014 में थाना इंदिरापुरम, गाजियाबाद क्षेत्र में रेड लाइट पर खड़ी गाड़ियों से मोबाइल चोरी के मामले में वह जेल जा चुका है। उस समय वह ठकठक गैंग के साथ मिलकर कई बड़ी वारदातों में शामिल रहा जेल से छूटने के बाद वह सोतीगंज, मेरठ निवासी गोल्डी सरदार के यहां 12 हजार रुपये प्रतिमाह पर ड्राइवर का काम करने लगा। इसी दौरान उसकी दोस्ती जीतू, उमरदराज और मेहराज (मकबरा डिग्गी, मेरठ) से हुई और इनके साथ मिलकर चार पहिया वाहन चोरी की घटनाओं में शामिल हो गया। इस मामले में वह थाना परतापुर, मेरठ से भी जेल जा चुका है। 2021 में बुलंदशहर से भी गया जेलआरोपी ने बताया कि वर्ष 2021 में कोतवाली देहात, बुलंदशहर से अपने गैंग के साथ गिरफ्तार होकर जेल गया था। जेल से छूटने के बाद वह फिर सक्रिय हो गया और गाजियाबाद व दिल्ली के कई थानों से वाहन चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। साल 2025 में थाना इंदिरापुरम से फॉर्च्यूनर चोरी के मामले में जेल जाने के बाद वह जमानत पर बाहर आया था। जमानत पर आने के बाद उसने मोदीनगर क्षेत्र से स्कॉर्पियो-एन चोरी की और दिल्ली के रोहिणी, सागरपुर और मॉडल टाउन समेत कई इलाकों में साथियों के साथ लगातार चार पहिया वाहन चोरी की वारदातें कीं। बरामद स्कॉर्पियो-एन को सागरपुर, दिल्ली और आई-20 को मॉडल टाउन, दिल्ली से चोरी करना स्वीकार किया है। मोदीनगर से चोरी स्कॉर्पियो-एन को राजस्थान में बेचा गया था।

ग्रेटर नोएडा में सोसाइटी पार्किंग से वाहन चोरी

सीसीटीवी में कैद वारदातें, पुलिस जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में चोरों के हौसले बुलंद होते दिख रहे हैं। बिसरख थाना क्षेत्र की ला रेजिडेंशिया सोसायटी की पार्किंग से एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सोसायटी में लगातार हो रही चोरी की वारदातों से निवासियों में रोष है। निवासी सुनील जलोटा ने बताया कि सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था बेहद खराब है और आए दिन चोरी की घटनाएं होती रहती हैं पिछले दो दिनों में दो चोरी की वारदातें सामने आई हैं। पहली घटना 20 फरवरी को हुई, जब सोसायटी की पार्किंग से एक साइकिल चोरी कर ली गई। यह भी सीसीटीवी में कैद हो गई थी। दूसरी घटना 21 फरवरी को हुई। पार्किंग में खड़ी एक मोटरसाइकिल को एक व्यक्ति ने चुरा लिया। चोर पहले मोटरसाइकिल का लॉक खोलता है और फिर उसे लेकर फ इन दोनों घटनाओं के बाद सोसायटी के लोगों में काफी गुस्सा है।

ग्रेटर नोएडा में 12 लाख का गांजा जब्त

पश्चिम बंगाल से लाकर ठउफ में करते थे सप्लाई, 2 आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सूरजपुर थाना पुलिस और एएनटीएफ टीम मेरठ ने संयुक्त अभियान में दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 80 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई जा रही है। तस्करी में इस्तेमाल की गई एक क्रेटा कार भी पुलिस ने जब्त कर ली है। पुलिस ने रविवार को मोजरबीयर गोलचक्कर सर्विस रोड के पास कस्बा सूरजपुर क्षेत्र में घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार तस्करों की पहचान दुजाना निवासी रविंद्र नागर और बुलंदशहर निवासी मोंटी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से कुल 80.5 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। थाना प्रभारी विनोद कुमार के अनुसार आरोपी काफी समय से संगठित तरीके से गांजा तस्करी कर रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि वे पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश से सस्ते दामों पर गांजा खरीदते थे। इसके बाद लग्जरी गाड़ियों में माल छिपाकर एनसीआर क्षेत्र में लाते और ट्रक चालकों व मजदूरों को ऊंचे दामों पर बेचते थे। पुलिस का कहना है कि आरोपी रविवार को भी गांजे की खेप सप्लाई करने की फिराक में थे, लेकिन उससे पहले ही संयुक्त टीम ने उन्हें दबोच लिया। बरामदगी के बाद दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियां अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई हैं। पुलिस यह भी पता लगा रही है

फूलों से बनाया केदारनाथ मंदिर

फ्लावर शो देखने 3 दिन में 4 लाख लोग पहुंचे, करेले से बने हाथी के साथ सेल्फी ली

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , चल रहे फ्लावर शो में लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। तीन दिनों में करीब 4 लाख लोग यहां पहुंच चुके हैं। इस बार शो की थीम केदारनाथ मंदिर रखी गई है, जिसे पूरी तरह फूलों से तैयार किया गया है। यही इस बार का सबसे बड़ा आकर्षण बना हुआ है। फूलों से तैयार मंदिर करीब 30 फीट लंबा और 40 फीट ऊंचा है। इसे गुलाब और गुलदाउदी जैसे फूलों से सजाया गया है। मंदिर को बनाने में करीब 68 लाख रुपए खर्च हुए हैं। मंदिर परिसर में 8 फीट लंबा और 3 फीट ऊंचा शिवलिंग और नंदी भी बनाए गए हैं। प्रवेश द्वार पर फूलों से त्रिशूल और डमरू तैयार किए गए हैं। मुख्य गेट भी केदारनाथ थीम पर फ्लावर शो का मुख्य गेट भी केदारनाथ मंदिर की थीम पर बनाया गया है। इसकी लंबाई करीब 22 फीट और ऊंचाई 25 फीट है। यहां आते ही लोगों को फूलों की खुशबू और आकर्षक सजावट देखने को मिलती है। मुख्य पाथ-वे पर 7 फीट ऊंची बास्केट की सजावट की गई है। इसके अलावा ढोलक शेप बास्केट, मटका फ्लो, बुद्धा लोटस जैसी कई फ्लोरल आकृतियां बनाई गई हैं। पियानो, लाइब्रेरी और अन्य कई सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए हैं। जहां फोटो और वीडियो बनाने वालों की भीड़ लगी रहती है।

विशाल स्वास्थ्य शिविर एवं कृषि कल्याण मेला का आयोजन..

अमन लेखनी समाचार

मल्लावां, हरदोई। कस्बे के जूनियर हाई स्कूल मैदान में दिब्य आलोक सेवा फाउंडेशन के तहत विधायक आशीष सिंह आशू के पूज्य पिता शिक्षाविद लोकतंत्र सेनानी स्व. शिवराज सिंह की पुण्य स्मृति और भाई स्व. डॉ आलोक सिंह नीलू की आठवीं पुण्यतिथि पर विशाल स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क नेत्र चिकित्सा मोतियाबिंद ऑपरेशन कृषि कल्याण मेला समेत जनकल्याणकारी कार्यक्रमो का आयोजन किया। जिसमे मुख्य अतिथि के तौर पर पहुँचे कैबिनेट मंत्री राकेश सचान और स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह व कृषि राज्य मन्त्री बलदेव सिंह औल्ख ने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित कर अनुदान पर मिलने वाले सात ट्रैक्टर की चाभी भेंट की। मंगलवार को क्षेत्रीय विधायक आशीष सिंह आशू के आयोजन पर दिब्य आलोक सेवा फाउंडेशन के तहत जनकल्याणकारी कार्यक्रम मे उनके स्व.पिता शिवराज सिंह की पुण्यस्मृति, भाई स्व डॉ आलोक सिह नीलू की आठवीं पुण्यतिधि पर विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर, विशाल कृषि कल्याण मेला, किसानों के लिए निशुल्क हाइब्रिड सब्जी बीज, के साथ ही प्रगतिशील किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूवात मुख्य अतिथि राकेश सचान व दिनेश प्रताप सिंह, कृषि शिक्षा राज्यमंत्री बलदेव औलख ने स्व आलोक सिंह नीलू के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर की। स्वास्थ्य शिविर में लगाए गए स्टालो में न्यूरो से संबंधित, स्त्री रोग, बाल रोग, नाक कान गला रोग, समेत अन्य रोगों में रोगियों की जांच कर निशुल्क दवा वितरित की गई। कार्यक्रम में आए भारी संख्या में किसानों को नि शुल्क नैनो यूरिया, सगरिया कृषि टानिक का वितरण किया गया। तीनो ब्लॉकों के प्रगतिशील किसानों को मंत्रियों ने, विधायक आशीष सिंह आशू के साथ फसल मूंगफली, मूंग, उरद, समेत अन्य बीज देकर सम्मानित किया। जिसके तहत किसानों को सालाना छह हजार रुपये की किसान सम्मान निधि के रूप में दिया जा रहा है। विशिष्ट अथिति दिनेश प्रताप सिंह ने भी आए हुए लोगो को सम्बोधित करते हुए सरकार की योजनाओं का बखान करते हुए स्वर्गीय आलोक सिंह के जीवन परिचय के बारे में बताया। राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, हमीरपुर विधायक मनोज प्रजापति, कृषि वैज्ञानिक रामशरण वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आए हुए अतिथियों को विधायक की मां विमला देवी ने स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस मौके पर प्रमुख भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश कटियार, डॉ गीता वर्मा बिलग्राम ब्लाक प्रमुख सतेंद्र सिंह, रमेश वर्मा प्रतिनिधि ब्लाक प्रमुख, मुरादाबाद ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विवेक सिंह, शिवराज बाबा, अजीत कश्यप, गुड्डू फौजी, वीरेंद्र मिश्र, मौजूद रहे। संचालन प्रवीण पटेल ने किया।

हाथीनाला पुलिस द्वारा अवैध खनन/परिवहन में संलिप्त 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अवगत कराना है कि पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 23.02.2026 को थाना हाथीनाला तिराहे पर चेकिंग के दौरान वाहन संख्या वढ64 उळ 9697 को रोका गया। जांच के दौरान वाहन में अवैध रूप से गिट्टी का परिवहन किया जाना पाया गया। उक्त सम्बन्ध में थाना हाथीनाला पर मु0अ0सं0 08/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस, 3(1)/58/72(6) उ0प्र0 उपखनिज (परिहार) नियमावली 2021, धारा 4/21 खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 एवं धारा 3/4 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 के अंतर्गत 01. रमाशंकर पनिका पुत्र बलजीत निवासी पिण्ड़ारी, तहसील दुद्धी, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र (चालक), 02.नन्दलाल गोंड पुत्र भोला सिंह निवासी पिण्ड़ारी, तहसील दुद्धी, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र (खलासी), 03. धर्मेन्द्र कुमार सिंह पुत्र स्व0 सियाराम सिंह निवासी धनसिरिया पोस्ट राजगढ़, थाना मड़िहान, जनपद मीरजापुर (मुंशी), 04. दूबे जी पुत्र अज्ञात पता अज्ञात 05. रमेश यादव पुत्र अज्ञात निवासी तुर्रा, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र (वाहन स्वामी), 05.ट/र सुनील कुमार सिंह क्रशर प्लांट के संचालक (नाम/पता अज्ञात) के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। उक्त क्रम में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

ओवरट्रैक करने के चलते सीएनजी ऑटो पलटा आधा दर्जन घायल

अमन लेखनी समाचार

मल्लावां(हरदोई) मल्लावां - मेहंदीघाट रोड पर ट्रक को ओवरट्रैक करने के दौरान सामने से आ रही डीसीएम गाड़ी से सीएनजी ऑटो टकराकर सड़क के किनारे पलट गया। घटना में ऑटो सवार आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे राघौपुर चौराहे से सवारी भरकर सीएनजी ऑटो मल्लावां की ओर जा रहा था। तभी मल्लावां से राघौपुर रोड पर शुक्लापुर गांव के पास ऑटो ट्रक को ओवरट्रैक करने लगा। सामने से आ रही डीसीएम से टकराते हुए सड़क किनारे पलट गया। ऑटो को कल्यानपुर निवासी सूरज उर्फ तमस 21 पुत्र संजय, नारायनमऊ निवासी चंपा देवी 61 पत्नी हरी, राघौपुर निवासी सबरून बानो 35 पत्नी बल्ला, रमजानी 45 पत्नी वकील, व उन्नाव जनपद के थाना बांगरमऊ के गांव नेवल जकटापुर निवासी रुचि 24 पत्नी हरिश्चंद्र और कलवारी महमदाबाद निवासी अंकुश 18 पुत्र सुदामा घायल हो गए। घटना की सूचना पर एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्लावां में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने सूरज, चंपा देवी और अंकुश को जिला अस्पताल रिफर कर दिया।

गुरसराय में 8 मार्च को होगा कन्या विवाह महोत्सव, 11 कन्याओं का सामूहिक विवाह

कार्यक्रम संयोजक बृजेंद्र व्यास (डमडम महाराज) ने प्रेस वार्ता के दौरान दी जानकारी

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय, झांसी। गरौठा के पूर्व विधायक बृजेन्द्र कुमार व्यास ह्यडमडम महाराजह्ल ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि उनकी सुपुत्री डॉ. आयुषी के विवाह उपलक्ष्य में 8 मार्च 2026, रविवार को गुरसरांय में भव्य आशीर्वाद समारोह के साथ 11 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बेटी का विवाह बच्चों की इच्छा से जयपुर में संपन्न हुआ, जहां सभी शुभचिंतक शामिल नहीं हो सके। इसी कारण क्षेत्रवासियों के साथ खुशी साझा करने के उद्देश्य से गुरसरांय में यह विशेष आयोजन रखा गया है। समाज सेवा की भावना से प्रेरित होकर ह्यडमडम महाराजह्ल ने 11 सर्वजातीय कन्याओं के विवाह का संकल्प लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आयोजन पूर्णतः पुनीत कार्य है और इसका कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है। कार्यक्रम का आयोजन खेर इंटर कॉलेज के मुख्य भवन ग्राउंड, गुरसरांय में होगा। बारात मोदी चौराहा स्थित पटेल गार्डन से प्रारंभ होकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेगी। संतों के सान्निध्य में नवदंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया जाएगा, जिसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन होगा। पूर्व विधायक ने क्षेत्रवासियों व मीडिया से कार्यक्रम में सहभागी बनने की अपील करते हुए कहा कि यदि वे व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण न दे सकें तो इसे उनका व्यक्तिगत आमंत्रण माना जाए। उन्होंने आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए हैं। इस अवसर पर विनोद व्यास, अखिलेश पिपरेंया, संदीप कोठरी, सतेन्द्र त्रिपाठी, बसंत मोदी, कैलाश वर्मा, दीपू अस्ता, सुनील अहिरवार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आवारा सांडों ने मचाई धमा-चौकड़ी, राहगीरों और दुकानदारों में दहशत

आवारा सांड आए दिन मचा रहे उत्पात, जिम्मेदार बेपरवाह

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय, झांसी। नगर में आवारा सांडों की लड़ाई आम लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। आए दिन प्रमुख सड़कों, चौराहों और बाजारों में इन सांडों की भिड़ंत से राहगीर चोटिल हो रहे हैं सड़क पर बैठे जानवरों से हुई दुर्घटना में लोगों को चोटें भी आईं हैं। स्थिति यह हो गई है कि नगर का हर मुख्य मार्ग जैसे अखाड़ा बन गया है, जहां सांडों और बैलों का जमावड़ा देखा जा सकता है।महिलाएं, बच्चे और दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। इन पशुओं की आक्रामकता के कारण दुर्घटनाएं आम हो गई हैं। कई बार ये सांड एक-दूसरे से भिड़ जाते हैं और उनकी लड़ाई की चपेट में आकर लोग घायल हो जाते हैं। वाहनों को भी नुकसान हो रहा है, वहीं पैदल चलने वाले भी सुरक्षित नहीं हैं।नगर के लोग आवारा सांड के उत्पात से परेशान हैं। लोगों के अनुसार सांड आये दिन लोगों पर हमला करता है।आवारा सांड बेलगाम हैं, ये सांड लोगों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं।आए दिन आवारा सांड भीड़-भाड़ में घुस जाते हैं।आपस में लड़ते हैं, इससे बाजार में अफरा-तफरी मच जाती है।महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग जान बचाकर इधर-उधर भागते नजर आते हैं। सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। यह सांड मुख्य रूप से नगर के गोविंद जी मन्दिर तिराहे, मुहल्ला पटकाना, पुराना बस स्टैंड, मातवाना सहित अन्य व्यस्त इलाकों में लड़ते हुए देखे जा सकते है।लोगों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते आवारा सांड को नहीं पकड़ा गया तो किसी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है। व्यापारियों का कहना है कि छुट्टा साँड़ के कारण उनके प्रतिष्ठानों के सामने कई बार आपस में लड़ने लगते हैं और दुकानों के सामने मौजूद सामान को भी नुकसान पहुंचा देते हैं। लोगों में यह मुद्दा लगातार चर्चा में बना हुआ है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रशासन, नगर पालिका स्तर की टीमों को मिलकर इन मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए अभियान चलाना चाहिए।लोगों ने प्रशासन से सांडों को पकड़ने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। ऐसा प्रतीत होता है कि जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर नहीं है, जिससे इन पशुओं का जमावड़ा निरंतर बढ़ता जा रहा है। आए दिन हो रही दुर्घटनाओं और आमजन की परेशानी को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि नगरपालिका और संबंधित विभाग इस दिशा में तत्काल ठोस कार्ययोजना बनाएं। नगरवासियों की मांग है कि आवारा सांडों को नियंत्रित करने हेतु ठोस कदम उठाए जाएं।

मत्स्य, गन्ना, उद्यान, वन सहित अन्य विभागों के लगे स्टाल

अमन लेखनी समाचार

मल्लावां। जनकल्याण के उद्देश्य से अयोजीत शिविर में मत्स्य विभाग, गन्ना विभाग, उद्यान विभाग, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, मोतियाबिंद ऑपरेशन स्टाल, बीज वितरण, के स्टाल लगाए गए थे।

794.34 लाख रुपए की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण...

मल्लावां। प्रदेश सरकार में उद्यान एवं कृषि विपणन मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने 794.34 लाख रुपए की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया।

गांव पंचायत गढ़ेपुर में चहुंओर व्याप्त गंदगी का अंबार

खंड विकास कार्यालय के संरक्षण में सफाईकर्मी बन बैठे खुदमुख्तार

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। प्रदेश सरकार का स्वच्छ भारत मिशन अभियान की गांव विकास व खंड विकास अधिकारी के फलित गांवों के सफाईकर्मियों की खुदमुख्तारी ब्लॉक कार्यालय पर साफ झलकती नजर आ रही है। गांव विकास के खुदमुख्तार गए हार, गांवों में व्याप्त गंदगी का अंबार, गांव वासी हो रहे बीमार और ब्लॉक कार्यालयों में सफाईकर्मी बन बैठे साहूकार, देखो भाई ये है हम सबकी साकार ! स्वच्छ भारत मिशन के दावों की हवा निकालते हुए विकास खंड शाहाबाद की ग्राम पंचायत गढ़ेपुर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की गलियों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जबकि कागजों पर तैनात सफाई कर्मचारी गांव जाने के बजाय ब्लॉक कार्यालय में अपनी हाजिरी बजाकर वापस लौट जाते हैं। अधिकारियों की अनदेखी के चलते सफाई कर्मचारी शिवम्‌राजपूत अपनी मनमानी पर उतारू है. जिससे गांव में संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। जानकारी के अनुसार, गढ़ेपुर ग्राम पंचायत में नालियां कूड़े से पटी पड़ी है और रास्तों पर कीचड का साम्राज्य है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सफाई कर्मचारियों को महीनों से गांव की गलियों में नहीं देखा गया। आरोप है कि ये कर्मचारी ब्लॉक मुख्यालय पर बैठकर अधिकारियों की चापलूसी में व्यस्त रहते है और वहीं से अपनी ड्यूटी पूरी मान लेते हैं। और कुछ एक तो कंप्यूटरी का कार्य कर रहे है, और गांव गंदगी से बिलबिला रहे है। ग्रामीणों ने कई बार इसकी मौखिक शिकायत भी की, लेकिन खंड विकास की कान पर जूं तक रेंगती नजर नहीं आ रही है। उनका तो मानना यह है कि गांव वाले कुछ दिनों तक चिल्ल पों करेंगे और त्यौहार निकलजाने के बाद फिर चुप हो जाएंगे। जिम्मेदार इन ₹लाट साहब₹ कर्मचारियों पर लगाम कसने की जहमत उठाना मुनासिब नहीं समझते। हैरानी की बात यह है कि एक तरफ सरकार स्वच्छता पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही है, वहीं दूसरी तरफ फील्ड में तैनात कर्मचारी ब्लॉक की शोभा बढ़ा रहे हैं। फिलहाल, लोगों का कहना है कि अधिकारियों की भ्रष्टाचार को पोषण करने वाली मानसिकता के चलते अब लोगों के सब्र का बांध टूटता जा रहा है। और अधिकारियों की लापरवाही और गैर जिम्मेदाराना रवैया लोगों की परेशानियों बढ़ा रही है। और यह हाल अधिकांश गांवों का ही है। जिम्मेदार मौन, ग्रामीण बेचैन।

दहेज की मांग पूरी न होने पर नवविवाहिता की हत्या का आरोप, पति समेत तीन पर मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव में नवविवाहिता का शव कमरे में दुपट्टे के फंदे से लटकता मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या कर शव फंदे से लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, मृतका की शादी कुछ समय पूर्व कासिमपुर क्षेत्र निवासी विपिन कुमार के साथ हुई थी। मृतका के पिता का आरोप है कि उन्होंने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-दहेज दिया था, लेकिन ससुराल पक्ष के लोग इससे संतुष्ट नहीं थे। वे लगातार कार की मांग को लेकर उनकी बेटी को प्रताड़ित कर रहे थे। आरोप है कि मंगलवार रात दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को दुपट्टे से लटका दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य संकलित कराए। मामले में मृतका के पिता की तहरीर पर कासिमपुर थाना पुलिस ने पति विपिन कुमार, ससुर रामसेवक तथा सास सावित्री के विरुद्ध दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक घनश्याम राम ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

राधा कृष्ण मंदिर, रेणुकूट में होली मिलन समारोह संपन्न

अमन लेखनी समाचार

रेणुकूट सोनभद्र। नगर स्थित राधा कृष्ण मंदिर में रविवार को भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंदिर परिसर इत्र और फूलों की खुशबू से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान राधा-कृष्ण के विधिवत पूजन और आरती से हुई। इसके पश्चात भजन-कीर्तन एवं फाग गीतों का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक रामनाथ शर्मा ने होली खेले रघुबीर सुनाकर मंत्रमुग्ध कर दिया।वीर बहादुर सिंह ने रंग लेके दौड़े हनुमान जी खेल रहे गलियां में होली, मेरे बांके बिहारी सुनाकर झूमने पर मजबूर कर दिया। अशोक यादव ने कान्हा करे बरजोरी रीमा और सरोज के जोड़ी ने होलिया में उड़े रे गुलाल, श्याम तेरे मंदिर में सुनाकर खूब वाह वाही बटोरीं भक्तों ने रंग बरसे और पारंपरिक ब्रज होली गीतों पर जमकर नृत्य किया। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। मंदिर समिति के गोपाल जी ने बताया कि होली आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और सद्भाव का संदेश जाता है। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ।इस अवसर पर नगर के उमेश ओझा, राजेश सिंह, पंकज मिश्रा, आशीष मिश्रा, अवधेश मिश्रा, राज वर्मा, मनोज सिंह राधा कृष्ण मंदिर, रेणुकूट में होली मिलन समारोह उपस्थित रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

8 मार्च को द्वितीय स्थापना दिवस व अन्तर्राष्ट्रीय विशाल महिला अधिवेशन दिवस की तैयारी में जुटी भीम सेना

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। डॉ. भीमराव सामाजिक सेवा समिति भीम सेना की बैठक मुख्यालय परमानपुर, जिगना, मीरजापुर में सम्पन्न हुआ ! बैठक में भीम सेना के संस्थापक, राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट भीमराव गौतम व लालबहादुर शास्त्री जी, प्रदेश अध्यक्ष संरक्षक ने बताया कि सामाजिक संगठन भीम सेना बहुजन समाज के साथ ही साथ अन्य समुदाय के गरीब, मजदूर, भूमिहीन, किसान, छात्र, नौजवान, शोसित, पीड़ित, वंचितों के लगातार उनके हक अधिकार व मान सम्मान की लड़ाई संवैधानिक तरीके से उनकी जनसमस्याओं का समाधान अनवरत कार्य करते हुए दो वर्ष पूर्ण करने जा रही है, जिसके उपलक्ष्य में भीम सेना के द्वितीय स्थापना दिवस जो अंतरराष्ट्रीय विशाल महिला अधिवेशन दिवस के रूप में 8 मार्च 2026 ,दिन रविवार, स्थान महाशक्ति इंटर कालेज, बिहसडा, मीरजापुर में मनाएंगी, जहा पर सामाजिक संगठन भीम सेना के सम्मानित कार्यकर्ता, पदाधिकारी के साथ ही साथ बहुजन समाज के सामाजिक चिंतक एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य जिले व प्रदेश के सम्मानित गणमान्य एवं मुख्य अतिथि/विशिष्ट अतिथिगण तथा लोक मिशन गीत कलाकार आदि गणमान्य लोग भीम सेना के द्वितीय स्थापना दिवस व अंतराष्ट्रीय विशाल महिला अधिवेशन दिवस समारोह में शामिल होने जा रहे हैं, जिसमे क्षेत्र की सम्मानित जनता से अधिक से संख्या में पहुंचने का अपील किया, विशेष रूप से सुनील कुमार गौतम, अमरेश यादव, भोला नाथ, भोले, महेंद्र कुमार आदि लोग उपस्थित थे

मिट्टी का टीला धंसने से 5 महिलाएं दबी, 3 महिलाओं की मौत, 2 महिला घायल

सोनभद्र। जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र के किरवानी जंगल में छुही मिट्टी निकालने गई महिलाओं के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई, जिससे वहां काम कर रही 5 महिलाएं दब गईं। घटना के बाद इलाके में अफरा- तफरी मच गई और गांव में चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार गांव की महिलाएं जंगल में छुही मिट्टी निकालने गई थीं मामला म्योरपुर थाना क्षेत्र के किरवानी जंगल में छुही मिट्टी निकालने गई महिलाओं के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंसने से वहां काम कर रही 5 महिलाएं दब गईं। घटना के बाद इलाके में अफरा- तफरी मच गई और गांव में चीख-पुकार मच उठी।

बमार्सेल रेलवे लाइन से लगी झुग्गियों का स्थायी पुनर्वास किया जाए-सांसद वर्षा गायकवाड़

अमन लेखनी समाचार

मुंबई के कुर्लाझट्रोम्बे रेलवे मार्ग के किनारे स्थित 3,154 झुग्गियों में दो दशकों से अधिक समय से हजारों गरीब और जरूरतमंद परिवार निवास कर रहे हैं। पूर्व में न्यायालय और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के कारण ध्वस्तीकरण की कार्रवाई टाल दी गई थी, किंतु अब पुनः नोटिस जारी होने से रहवासियों में भय और असंतोष का वातावरण उत्पन्न हो गया है। पीपीई अधिनियम, 1971 के अंतर्गत 27.01.2026 को जारी की गई 3,154 कथित अवैध अतिक्रमण हटाने की सूचना को निरस्त किया जाए तथा बमार्सेल रेलवे लाइन से लगी झुग्गी बस्तियों का स्थायी पुनर्वास किया जाए—इस मांग को मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद वर्षा गायकवाड़ ने दोहराया है। सांसद वर्षा गायकवाड़ ने आज मध्य रेल्वे के महाप्रबंधक से भेंट कर विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान बर्मा सेल रेलवे ट्रैक के आसपास निवास करने वाले परिवारों के स्थायी पुनर्वास के विषय पर अधिकारियों के साथ विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। उल्लेखनीय है कि इन झुग्गियों के पुनर्वास के लिए वर्ष 2000 में सर्वेक्षण किया गया था, वर्ष 2019 में बायोमेट्रिक सर्वे सम्पन्न हुआ था तथा 2022 में निवासियों से आवश्यक दस्तावेज एकत्र किए गए थे। ऐसी स्थिति में पुनर्वास प्रक्रिया को और विलंबित करना न्यायोचित नहीं है। सांसद गायकवाड़ ने कहा कि प्रभावित परिवारों के लिए एक समग्र एवं व्यापक पुनर्वास योजना तैयार की जानी चाहिए, जिससे उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध हो सके। यह मेहनतकश और वंचित वर्ग का अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न है, जिस पर तत्काल हस्तक्षेप कर पुनर्वास का निर्णय प्राथमिकता के आधार पर लिया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, ब्राह्मणवाड़ी से कुर्ला पूर्व की ओर जाने वाले फुटओवर ब्रिज पर प्रकाश व्यवस्था के अभाव तथा कुर्ला स्थित नवरेबाग से रेलवे कॉलोनी की ओर जाने वाली सड़क की जर्जर स्थिति पर भी चर्चा की गई। इन समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग भी सांसद वर्षा गायकवाड़ ने की है।

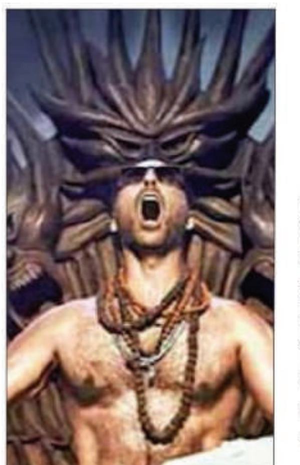

भूत बंगला से सामने आया अक्षय का नया लुक...

मुंबई। अक्षय कुमार की आगामी फिल्म 'भूत बंगला' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म के जरिए अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की हिट जोड़ी 16 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। मंगलवार को मेकर्स ने फिल्म का एक नया मोशन पोस्टर जारी किया है। मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के नए मोशन पोस्टर में अक्षय कुमार एक डरावने सिंहासन पर बैठे नजर आ रहे हैं। इस सिंहासन पर डरावने भूतों के सिर बने हुए हैं, जो मुंह फैलाते नजर आ रहे हैं।आंखों पर काला चश्मा लगाए अक्षय अपने गले और हाथों में कई रुद्राक्ष और अन्य मालाएं पहने हुए हैं।

लाइफ Style

तमन्ना

खुद का प्रीमियम जूलरी ब्रांड किया लॉन्च

तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपना खुद का प्रीमियम जूलरी ब्रांड 'तमन्ना फाइन जूलरी' लॉन्च किया है। 'शुगर' कॉस्मेटिक्स की सीईओ और को-फाउंडर विनीता सिंह ने कहा- अगर आप शार्क टैंक इंडिया में होतीं तो मैं अपने सारे निवेश आपके ब्रांड में लगा देती।'

एजेंसी ⏭ मुंबई

बॉलीवुड में ऐसे सितारों की कोई कमी नहीं जो एक्टिंग के साथ-साथ अलग-अलग तरह के बिजनेस में भी अपनी पहचान बनाने में जुटे हुए हैं। हाल ही में तमन्ना भाटिया ने भी इस लिस्ट में अपनी जगह बनाई है, जिसमें उन्होंने 'तमन्ना फाइन जूलरी' नाम से अपना खुद का प्रीमियम जूलरी ब्रांड लॉन्च किया है। हाल ही में एक बातचीत में तमन्ना ने भारत में कई सेलिब्रिटी-आधारित ब्रांड की असफलता पर बात करते हुए कहा कि खुद को वैसी असफलता से बचाने के लिए अपने ब्रांड के साथ शुरू से अंत तक गहराई से जुड़ी रहने के लिए तैयार हैं। 'शुगर' कॉस्मेटिक्स की सीईओ और को-फाउंडर विनीता सिंह के पॉडकास्ट पर बातचीत करते हुए तमन्ना ने कहा, 'मैं खुद को एक सेलिब्रिटी के रूप में नहीं देखती जो ब्रांड बना रही है। मैं खुद को एक फाउंडर के रूप में देखती हूं, जो इस ब्रांड को खड़ा करने की कोशिश कर रही है। कोई भी सिर्फ मेरे चेहरे के लिए इस तरह के महंगे उत्पाद में पैसा नहीं लगाएगा। मैं प्रॉडक्ट के प्रति ईमानदार हूं और अगर मेरा मकसद सिर्फ पैसा कमाना होता तो मैं कोई और कैटिगरी चुन सकती था। मैं इसकी जगह कोई ऐसा प्रॉडक्ट बना सकती थी जो बहुत फेमस होता और लोगों को खूब बिकता।'

हॉलीवुड मसाला

अभिनय की दुनिया से खास नाता

लॉस एंजिल्स। मशहूर एक्टर रॉबर्ट कैराडाइन ने 71 वर्ष की आयु में अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। 'रिवेंज ऑफ द नड्र्स' और 'लिजी मैकगायर' ने एक्टर को काफी पॉपुलर कर दिया था। रॉबर्ट अपने मानसिक स्वास्थ से काफी समय से जूझ रहे थे। रॉबर्ट कैराडाइन घर के सबसे छोटे बेटे थे। उनके पिता जॉन कैराडाइन एक मशहूर अमेरिकी अभिनेता थे। एक्टर के परिवार के ज्यादातर सदस्य फिल्मी दुनिया का हिस्सा रहे हैं। 1972 में जॉन वेन के साथ फिल्म 'द काउबॉयज' के साथ अपने अभिनय की शुरुआत की थी।

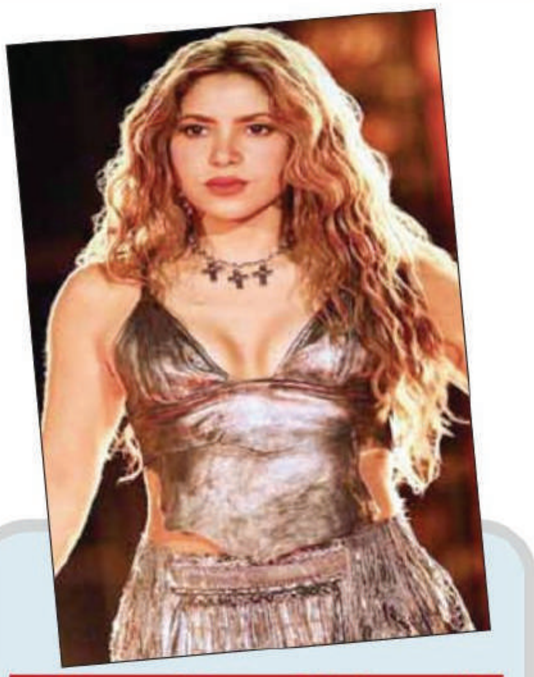

इंडिया में परफॉर्म करने के लिए तैयार शकीरा...

लॉस एंजिल्स। ग्लोबल स्टार शकीरा इस साल भारत में फिर से एक बार शानदार परफॉरमेंस देने वाली हैं। इस बात की पुष्टि होने के बाद उनके फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। उन्होंने पिछली बार 2007 में इंडिया में परफॉर्म किया था। अब 19 साल बाद फिर से शकीरा अपना जलवा बिखेरने इंडिया आ रही हैं। लैटिन पॉप की ग्लोबल स्टार शकीरा इस अप्रैल भारत में लगभग 19 साल बाद धमाकेदार वापसी करने जा रही हैं। दिल्ली और मुंबई में शकीरा का कॉन्सर्ट होने वाला है। 2007 में अपने 'ऑरल फिक्सेशन टूर' के दौरान मुंबई में यादगार शो करने के बाद यह उनका पहला बड़ा कॉन्सर्ट होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनका दिल्ली कॉन्सर्ट 15 अप्रैल 2026 को होने की संभावना है, हालांकि आयोजक जल्द ही इसकी आधिकारिक तारीख की घोषणा करेंगे।

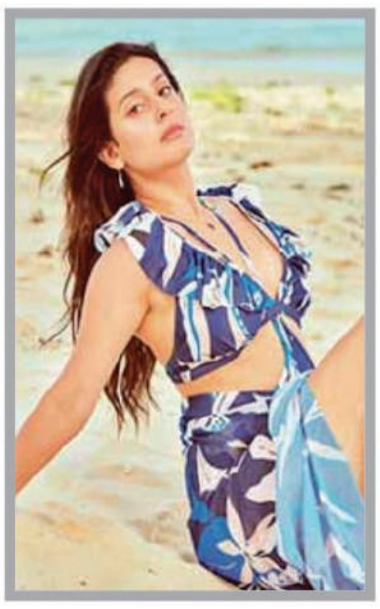

ईशा की इश्कां दे लेखे का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। भारतीय एक्ट्रेस , मॉडल, डांसर, लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और बिग बॉस 17 फेम ईशा मालवीय की पहली फिल्म 'इश्कां दे लेखे' का ऑफिशियल ट्रेलर सोमवार को रिलीज कर दिया गया। एक्ट्रेस रोमांटिक पंजाबी फिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। चैनल ने मूवी का ट्रेलर रिलीज करते हुए डिसक्रिप्शन में लिखा, 'एक बार फिर प्यार में पड़ने के लिए तैयार हो जाइए! स्पीड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत करता है 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित पंजाबी प्रेम कहानी 'इश्कां दे लेखे' का ट्रेलर। शानदार गुरनाम भुल्लर और खूबसूरत ईशा मालवीय अभिनीत यह पंजाबी फिल्म उन सभी लोगों के लिए बनाई गई है, जिन्होंने कभी दिल से प्यार किया है।' मनवीर बरार की निर्देशित, 'इश्कां दे लेखे' बड़े पर्दे पर पंजाबी रोमांस को एक नई परिभाषा देने के लिए तैयार है।

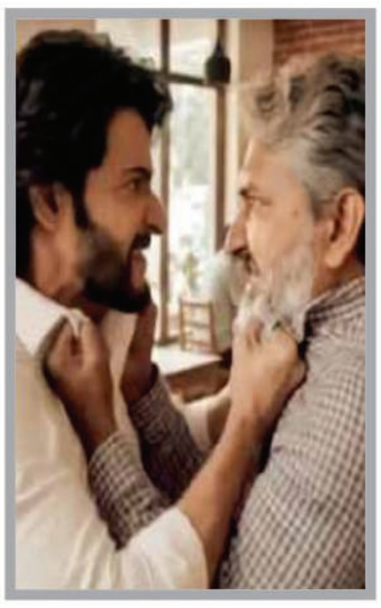

राजामौली-महेश में हुआ झगड़ा...

मुंबई। रामगोपाल वर्मा ने अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर एक वीडियो मंगलवार को पोस्ट किया। इस वीडियो में बाहुबली फेम डायरेक्टर एसएस राजामौली और साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू जमकर लड़ रहे हैं। एक-दूसरे को पटपटकर मार रहे हैं। आखिर दोनों ऐसा क्यों कर रहे हैं। और इस बात को लेकर क्यों रामगोपाल वर्मा कह रहे हैं कि सिनेमा मर चुका है। दरअसल यह वीडियो किसी ने एआई से बनाया है। यह वीडियो बिल्कुल रियल और मजेदार लग रहा है। लेकिन एक निर्देशक होने के नाते रामगोपाल वर्मा को यह बात पसंद नहीं आई है। सिनेमा में एआई के ऐसे दखल से वह शायद नाराज हैं, इस वजह से उन्होंने पोस्ट में लिखा- सिनेमा मर चुका है। रामगोपाल वर्मा से पहले कई डायरेक्टर्स ने सिनेमा में एआई के इस्तेमाल पर सवाल किए।

टीवी मसाला

कॅरियर के सबसे चैलेंजिंग रोल में से एक है सूबेदार : अनिल

मुंबई। अनिल कपूर की मच-अवेटेड फिल्म 'सूबेदार' अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए तैयार है। सोमवार को मुंबई में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ। इस मौके पर अनिल कपूर ने 'सूबेदार' में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया।अनिल कपूर ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। यह रोल मेरे लिए मेरे कॅरियर के सबसे चैलेंजिंग रोल में से एक है। मैंने इसे हमेशा की तरह पूरे दिल और जान से किया है। मैंने अपनी तरफ से कड़ी मेहनत की है। जैसा कि मैं हमेशा करता हूं। मुझे उम्मीद है कि आपको यह फिल्म और हमारा काम पसंद आएगा।' ट्रेलर में दिखाया गया है कि अनिल कपूर एक रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर के रोल में हैं। वह एक शहर में आते हैं, जहां गुंडाराज चल रहा है। मोना सिंह एक माफिया यानी दीदी के रोल में हैं। उसका एक भाई है, जो लोगों पर जुल्म करता है। एक दिन वह अनिल कपूर की बेइज्जती कर देता है। उसके बाद एक्शन शुरू होता है। सूबेदार एक एक्शन फिल्म है। इसका निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें अनिल कपूर के अलावा मोना सिंह, राधिका मदान, सौरभ शुक्ला, मोना सिंह, आदित्य रावल, फैजल मलिक और खुशबू सुंदर भी हैं। यह फिल्म 5 मार्च को स्ट्रीम होगी। सूबेदार के अलावा अनिल कपूर कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह पिछले साल फिल्म 'वॉर 2' में नजर आए थे।

शादी की चर्चा के बीच दुबई में नजर आईं तान्या

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल हाल ही में लहंगे की शॉपिंग करती नजर आईं। जिसके बाद उनकी शादी को लेकर अटकलें लगनी लगीं। इसी बीच अब वह दुबई में हैं। एक वीडियो भी तान्या मित्तल ने साझा किया है। तान्या मित्तल ने रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। अपनी अमीरी के किस्से वह शो में सुनाया करती थीं। हाल ही में वह दिल्ली के चांदनी चौक में लहंगे खरीदती दिखीं। लाल रंग का लहंगा भी तान्या से ट्राई किया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर मौजूद है। इसके बाद ही तान्या मित्तल के फैंस को लगा कि वह शादी करने वाली हैं। दुबई का वीडियो देखकर भी तान्या से फैंस ने पूछा कि वह अपने दूल्हे से कब मिलवा रही हैं। तान्या मित्तल अक्सर कहती हैं कि वह काफी अमीर हैं। लेकिन कई लोगों को लगता है कि वह झूठ बोलती हैं। लेकिन सोमवार को तान्या ने दुबई का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह एक आलीशान होटल में ठहरी हैं और काफी महंगा बेकफास्ट कर रही हैं।

शहंशाह अकबर के रोल के लिए नंगे पैर गर्म रेत पर चलते थे पृथ्वीराज कपूर

नई दिल्ली। पृथ्वीराज कपूर के पोते जतिन कपूर ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 'मुगल-ए-आजम' में मशहूर 'शहंशाह वाली चाल' के पीछे की दिलचस्प और प्रेरणा देने वाली कहानी बताई। उन्होंने बताया कि फिल्म में मशहूर एक्टर की चाल पूरी लगन और लगातार प्रैक्टिस से पूरी हुई। पृथ्वीराज कपूर के लगन के बारे मे बताते हुए जतिन ने कहा, 'फिल्म 'मुगल-ए-आजम' में, पहले ही सीन में शहंशाह को तपती रेगिस्तान की रेत में नंगे पैर चलते हुए दिखाया गया है। उस वॉक के लिए, मेरे नानाजी पृथ्वीराज कपूर ने बहुत रिहर्सल की थी। मुंबई की गर्मी में वह मुंबई के जुहू बीच पर 300 से 400 मीटर तक गर्म रेत पर नंगे पैर चलने की प्रैक्टिस करते थे।'

ज़िंदगी में कई शानदार रोल किए

अपने नानाजी के पैशन के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'पृथ्वीराज कपूर ने अपनी जिंदगी में कई शानदार रोल किए। उनकी तैयारी के पीछे की कहानियां भी उतनी ही शानदार हैं। जो इंसान अपने काम से सच्चा प्यार करता है और उसके लिए पैशन रखता है, वह किसी भी हद तक जा सकता है। उन्होंने अपने काम के प्रति अपने प्यार और डेडिकेशन के लिए अपने पैरों की कुर्बानी दे दी। अपना नोट खत्म करते हुए, जतिन ने कहा, 'सुनने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं आप सभी का शुक्रगुजार हूं, मैं हमेशा रहूंगा।

चप्पल पहनने से मना कर दिया

उन्होंने आगे बताया, 'जब सीन आखिरकार शूट हुआ, तो वह बिल्कुल वैसा ही था जैसा बताया गया था। यहां तक कि क्लोज-अप शॉट्स में भी, जहां उनके पैर नहीं दिख रहे थे। उन्होंने चप्पल पहनने से मना कर दिया। वह पूरी तरह असली दिखना चाहते थे। वॉक को फाइनल करने के प्रोसेस के बारे में बात करते हुए, जतिन ने कहा, कई दिनों तक प्रैक्टिस करने के बाद, उन्होंने पृथ्वी थिएटर के अपने कुछ साथियों को बुलाया और उन्हें अपनी वॉक देखने के लिए वहां खड़ा कर दिया. वह बार-बार चलते रहे, जब तक किसी ने यह नहीं कहा कि अब ऐसा नहीं लग रहा कि पृथ्वीराज कपूर चल रहे हैं, बल्कि खुद शहंशाह चल रहे हैं। तभी उन्होंने वह चाल ठीक की।

अमिताभ ने दिखाई कल्कि 2 के सेट की तस्वीरें

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने 83 साल की उम्र में भी काफी एक्टिव हैं। उन्होंने अब नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म 'कल्कि' में अमिताभ बच्चन पौराणिक किरदार अश्वत्थामा के रोल में दिखे थे। अब अमिताभ ने 'कल्कि 2' की शूटिंग शुरू कर दी है अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' के सेट से अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में से एक में वो कमल हासन से गले लगते दिख रहे हैं। पर्दे के पीछे की इन तस्वीरें को शेयर करते हुए उन्होंने 40 साल बाद कमल हासन के साथ फिर से काम करने पर खुशी जाहिर की है। इस बार अमिताभ करीब चार दशकों के बाद एक कमल हासन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। अमिताभ ने इन झलकियों को शेयर करते हुए लिखा है, 'और महान कमल हासन से मुलाकात... हम सालों बाद साथ काम करेंगे। उन्होंने बताया कि आखिरी बार फिल्म 'गिरफ्तार' में दोनों ने साथ काम किया था। यानी साफ है कि पिछली फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों एक्टर की मुलाकात नहीं हो पाई। अमिताभ ने फिल्म को

लेकर कहा है, 'कल्कि 2 ने काम शुरू कर दिया है... और रविवार को उनकी उपस्थिति की प्रतीक्षा में हमेशा प्यार और स्नेह को संजो कर रखेंगे... लेकिन उम्मीद है कि आने वाले रविवार को हम सभी के साथ होंगे।' यहां बता दें कि इस शूटिंग की वजह से पिछले रविवार को अमिताभ अपने फैन्स से मिलने घर से बाहर नहीं निकले थे और बरसों की परंपरा टूट गई।

परिवार को नहीं था मंजूर संगीत का रास्ता

6 रुपए में गाया पहला गाना, दर्द भरी आवाज से जीता देश का दिल

नई दिल्ली। भारतीय फिल्म संगीत की दुनिया में कुछ आवाजें समय के साथ पुरानी नहीं पड़तीं, बल्कि और गहरी होती चली जाती हैं। ऐसी ही दिल को छू लेने वाली आवाज थी तलत महमूद की। उनकी गायकी में दर्द भी था, मिठास भी थी, और शायरी की खूबसूरती भी, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस आवाज ने लाखों लोगों के दिल जीते, कभी उसी आवाज को अपने पहले गाने के लिए सिर्फ छह रुपए मिले थे। तलत महमूद का जन्म 24 फरवरी 1924 को लखनऊ में एक रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार मे हुआ था। उनके परिवार में संगीत को अच्छा पेशा नहीं माना जाता था, लेकिन बचपन से ही तलत को गाने का शौक था। वे रात-रात भर चलने वाले संगीत कार्यक्रमों में बैठते और बड़े गायकों को ध्यान से सुनते थे। कम उम्र मे ही उनकी आवाज मे एक अलग तरह की मिठास थी. यही मिठास आगे चलकर उनकी पहचान बनी।

मीर और दाग जैसे शायरों की गजलें गाते थे

उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो, लखनऊ से गाना शुरू कर दिया। वे मीर और दाग जैसे शायरों की गजलें गाते थे। साल 1941 में उनका पहला गाना रिकॉर्ड हुआ। यह गाना ग्रामोफोन कंपनी एचएमवी के लिए था और इसके बदले उन्हें महज 6 रुपए मेहनताना मिला था। आज के समय में यह रकम बहुत छोटी लगती है, लेकिन उसी छोटे से भुगतान ने एक बड़े सफर की शुरुआत की। उनकी आवाज इतनी पसंद की गई कि लोग उनसे और गानों की मांग करने लगे।

कुछ फिल्मों में अभिनय भी किया

1944 में उनका गाना 'तस्वीर तेरी दिल मेरा बहला न सकेगी' काफी लोकप्रिय हुआ। इसके बाद वे कलकत्ता चले गए, जहां उन्होंने कुछ फिल्मों में अभिनय भी किया और गाने भी गाए। उस दौर में वे 'तपन कुमार' नाम से भी गाते थे। 1949 में वे मुंबई आ गए और यहीं से उनका असली सुनहरा दौर शुरू हुआ। 1950 और 1960 के दशक में वे हिंदी फिल्मों के सबसे पसंदीदा गायकों में गिने जाने लगे। उनके गाने इतना न मुझसे तू प्यार बढ़ा, फिर वही शाम, वही गम, ये हवा ये रात, मिलते ही आंखें दिल हुआ दिवाना और तस्वीर बनाता हूं जैसे गाने लोगों के दिलों में उतर गए।

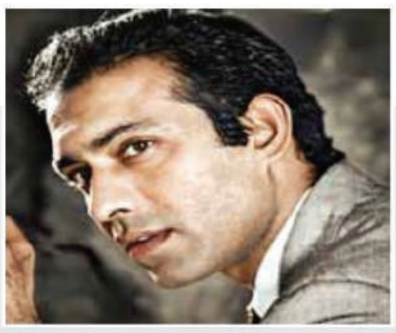

पद्म भूषण से हुए सम्मानित

उन्हें 1992 में भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और शानदार योगदान की पहचान था। उन्होंने लगभग चार दशकों तक गाया और सैकड़ों गीतों को अपनी आवाज दी। 9 मई 1998 को 74 साल की उम्र में उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी आवाज आज भी रेडियो, टीवी और संगीत प्रेमियों के दिलों में जिंदा है।

दिलीप कुमार के लिए कई गानों में आवाज दी

उनकी आवाज अभिनेता दिलीप कुमार पर खास तौर पर जंचती थी। उन्होंने दिलीप कुमार के लिए कई गानों में आवाज दी, जिनमें 'हमसे आया न गया', ऐ दिल मुझे ऐसी जगह ले चल, हम दर्द के मारों का, कोई नहीं मेरा इस दुनिया में और सीने में सुलगते हैं अरमां जैसे गाने शामिल हैं। तलत महमूद की खास बात यह थी कि वे गानों के बोल को बहुत ध्यान से पढ़ते थे। अगर उन्हें शब्द अच्छे नहीं लगते तो वे गाना गाने से मना कर देते थे। हालांकि, समय के साथ संगीत का रुख बदला और तेज, ऊंची आवाज वाले गीत ज्यादा पसंद किए जाने लगे। इससे उनका कॅरियर थोड़ा धीमा पड़ गया, लेकिन उनकी पहचान कभी कम नहीं हुई।